CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-90
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार, 05 जून 2024

आज का विचार

क्रोध वो हवा है, जो बुद्धि का दीप बुझा देती है

सिंगल कॉलम

पीएम नरेंद्र मोदी 8 और 9 जुलाई को रूस की दो दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक रूसी दौरे का ऐलान हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 और 9 जुलाई को रूस की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे जहां इन दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी ऑस्ट्रिया जाएंगे, जो 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। करीब पांच साल में मोदी की यह पहली रूस यात्रा होगी। रूस की उनकी पिछली यात्रा 2019 में हुई थी जब उन्होंने व्लादिवोस्तोक में एक आर्थिक सम्मेलन में शिरकत की थी। इससे पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच संबंधों की अत्यंत भरोसेमंद प्रकृति को देखते हुए, दोनों नेताओं के बीच यहां होने वाली मुलाकात में कोई भी विषय उनके लिए अछूता नहीं होगा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने पेस्कोव के हवाले से बताया कि पुतिन और मोदी अपनी बैठक के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा, व्यापार तथा एजेंडे के अन्य सभी विषयों पर चर्चा करेंगे।

मसाला बनाया, चिनाई भी की...दिल्ली में मजदूरों संग काम करते दिखे राहुल गांधी

नई दिल्ली। रायबरेली से सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में मजदूरों के साथ मुलाकात की। गुरुवार को उन्हें जीटीबी नगर में कुछ श्रमिकों से ना सिर्फ उनका हालचाल जाना बल्कि उनके साथ काम भी किया। राहुल गांधी उनके साथ मसाला बनाते हुए और चिनाई करते हुए दिखे। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल से तस्वीरें साझा करते हुए यह जानकारी दी गई। कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी की तस्वीरों के साथ लिखा, आज नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के जीटीबी नगर में श्रमिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। ये मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके जीवन को सरल और भविष्य को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। तस्वीरों में राहुल गांधी रेत-सीमेंट मिलाते हुए और चिनाई करते हुए भी दिख रहे हैं। उन्होंने श्रमिकों के बीच बैठकर बातचीत भी की। राहुल गांधी इससे पहले भी अलग-अलग वर्ग के कामगारों से मुलाकात कर चुके हैं। पिछले दिनों वह दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों से मिले थे और सिर पर सामाना भी उठाया था। कभी ट्रक चालक के साथ सफर करके उनकी समस्याओं को जाना तो कभी मोटर मैकेनिक के साथ काम करते दिख चुके हैं।

नहाते हुए बच्चे के शरीर में घुसा दिमाग खाने वाला अमीबा तड़प-तड़पकर मौत

तिरुवंतपुरम। केरल से एक दुखद घटना सामने आई है। तालाब में नहाते वक्त 14 साल के एक बच्चे के नाक में दिमाग खाने वाला अमीबा घुस गया। इस तरह अमीबा उसकी नाक से शरीर में प्रवेश कर गया। दिमाग में दुर्लभ संक्रमण हो जाने से उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। तीन महीने में इस तरह से मौत का यह तीसरा मामला है। सरकार इस मामले में अलर्ट हो गई है। इससे पहले यह बीमारी 2023 और 2017 में राज्य के अलप्पुझा जिले में देखी गई थी। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चे के मस्तिष्क में दुर्लभ ह्यअमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिसह्व संक्रमण प्रवेश कर गया था। इससे ग्रस्त 14 वर्षीय बालक ने एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। यह बीमारी दूषित जल में पाए जाने वाले जीवित अमीबा के कारण होती है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अमीबिक एन्सेफलाइटिस दुर्लभ और अत्यधिक घातक संक्रमण है जो झीलों और नदियों में पाए जाने वाले अमीबा के कारण होती है। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि मृदुल नामक बालक की मृत्यु बुधवार रात करीब 11:20 बजे हुई। केरल में मई से लेकर अब तक इस घातक संक्रमण का यह तीसरा मामला है। पहली घटना 21 मई को मल्लपुरम में पांच वर्षीय बच्ची की मौत की थी और दूसरी घटना में 25 जून को कन्नूर में 13 वर्षीय बालिका की मृत्यु हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के मुताबिक बच्चा यहां एक छोटे तलाब में नहाने गया था और अब एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि परजीवी अमीबा के बैक्टीरिया जब दूषित पानी से नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं तो यह संक्रमण होता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने लोगों को अमीबिक मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है।

पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को दिया विजयी भवः मंत्र

बोले- 2036 का ओलिंपिक भारत में कराने की कोशिश कर रहे

पेरिस ओलिंपिक के लिए अब एक महीने से भी कम समय बचा है। फ्रांस की राजधानी में ओलिंपिक गेम्स 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 के बीच होंगे। इसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में हैं। भारतीय दल में शामिल कई खिलाड़ी भी विदेशों में कड़ी ट्रेनिंग कर पसीना बहा रहे हैं। इसबीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओलिंपिक के लिए सिलेक्ट हुए खिलाड़ियों से चर्चा की।

मोदी ने उन्हें विजयी भवः यानी जीत का मंत्र दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम 2036 का ओलिंपिक भारत में कराने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों से रू-ब-रू होकर ओलिंपिक में जाने से पहले उनका हौंसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आप लोग अपनी तपस्या से यहां पहुंचे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे सभी खिलाड़ी पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़कर आएंगे। हम प्रयास कर रहे हैं कि 2036 का ओलिंपिक भारत में आयोजित किया जाए। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करना होगा। आप लोग भी ओलिंपिक खेलने जा रहे हैं तो इसके लिए तैयारियों को ऑब्जर्व करके आएं और अपने इनपुट सरकार से शेयर करें। पीएम मोदी ने कहा- आप लोग ओलिंपिक में भारत का नाम रोशन करिए। मेडल मिले न मिले, ओलिंपिक में जाना ही सीखने का बड़ा मौका होता है। पेरिस में हमें अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देना है। अगर बहाना बनाएंगे तो सफल नहीं हो पाएंगे।

खेल भावना रखने वाले खिलाड़ी कभी परिस्थितियों को दोष नहीं देते हैं। हमेशा ऐसा नहीं करना चाहिए। खुद पर भरोसा रखें और ध्यान लगाकर गेम पर फोकस करें। जब 11 अगस्त को ओलिंपिक खत्म हो जाएगा और उसके बाद आप भारत लौटेंगे तो 15 अगस्त को दोबारा आप सभी से मुलाकात करूंगा। पीएम ने ऑफलाइन और ऑनलाइन जुड़े खिलाड़ियों से बात की। टोक्यो ओलंपिक 2020 में जेबलिन थ्रो (भाला फेंक) में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने वाले नीरज चोपड़ा से मजाकिया लहजे में पूछा- मेरा चूरमा कहा हैं? इस पर गोल्ड मेडलिस्ट नीरज ने कहा कि सर अभी मैं जर्मनी में ट्रेनिंग ले रहा हूं। पेरिस ओलिंपिक में मेडल जीतकर लौटूंगा तो इस बार आपको पक्का चूरमा खिलाऊंगा।

बता दें कि नीरज ने 87.58 मीटर भाला फेंककर टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। वे अभिनव बिंद्रा के बाद वर्ल्ड चैम्पियनशिप स्तर पर एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं।

मप्र में किसी भी अवैध कालोनी को वैध नहीं किया जाएगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में अवैध कॉलोनियां न बनें, इसके लिए सरकार कड़ा कानून बनाने जा रही है। यह जानकारी गुरुवार को विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी अवैध कॉलोनी को वैध नहीं किया जा रहा है पर रहवासियों को भवन अनुज्ञा दे रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि होता यह है कि वैध कॉलोनी वाला भूखंड एक हजार रुपए वर्ग फुट में और उससे महज आधा किलोमीटर की ही दूरी पर स्थित अवैध कॉलोनी वाला भूखंड 250 रुपएवर्ग फुट में बिक जाता है। भूखंड बेचने वाला तो फिर दिखता ही नहीं और लोग मकान बनाकर रहने लगते हैं। चूंकि, हम चुनाव लड़ते हैं तो लोग हमको घेरते हैं कि आप सड़क बनाइए और पानी दीजिए। ऐसे में अब कड़े नियम लागू किए जाएंगे। दरअसल, भाजपा विधायक हरदीप सिंह डंग ने सदन में सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों का विषय उठाया था। उन्होंने कहा कि जहां पहले खेत हुआ करते थे, वहां अब कॉलोनी बनाई गई। इन्हें अवैध माना जाता है। ऐसी कॉलोनियों को वैध किया जाए ताकि सड़क, नाली, पानी सहित अन्य सुविधाएं मिल जाएं। अन्य सदस्यों ने भी यह बात उठाई। इस पर मंत्री विजयवर्गीय ने सदन को बताया कि अवैध कालोनियों को वैध नहीं किया जा रहा, पर वहां नागरिक सुविधाएं मिल जाएं, अधोसंरचना का विकास हो, रहवासी भवन अनुज्ञा ले सकें, यह काम अवश्य जनहित में किया जा रहा है। अवैध कॉलोनियां बन ही न पाएं, इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कड़ा कानून बनाया जा रहा है। नगरीय निकायों की भूमि को लेकर स्पष्टता के लिए सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए जाएंगे कि वे चिह्नांकित करें कि राजस्व की भूमि कौन सी है और निकायों की कौन सी है।

भोजशाला की सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए एएसआई को 15 दिन का समय

इंदौर। भोजशाला में चल रहे सर्वे पर कोर्ट में सुनवाई के दौरान एएसआई की टीम खाली हाथ पहुंची। धार भोजशाला केस की इंदौर हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई थी। एएसआई ने इस दौरान सर्वे की रिपोर्ट पेश नहीं की। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने रिपोर्ट पेश करने के लिए कोर्ट से चार सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने 15 दिन का समय देकर 22 जुलाई को रिपोर्ट पेश करने के दिए आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि हाई कोर्ट इंदौर खंडपीठ में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के द्वारा एक रीट पिटीशन दायर की गई थी जिसमें एएसआई को वैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए आदेश दिया गया था। उसी प्रकरण में गुरुवार को सुनवाई हुई जिसमें हाईकोर्ट ने एएसआई को 15 जुलाई तक रिपोर्ट पेश करने का कहा है। अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने 2 जुलाई को भोजशाला के 98 दिवसीय वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर अपनी स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने चार सप्ताह का और समय बढ़ाने के लिए आवेदन किया था। जिस पर गुरुवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। हिंदू समुदाय भोजशाला को देवी वाग्देवी माता सरस्वती का मंदिर मानता है। वहीं दूसरे समुदाय का कहना है कि मुस्लिमों की कमाल मौलाना मस्जिद यहां हैं। एचएफजे की याचिका पर उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने ज्ञानवापी की तर्ज पर भोजशाला का सर्वे कराने के आदेश दिए थे। जिस पर एएसआई ने 22 मार्च को सर्वेक्षण शुरू किया और चार सप्ताह के विस्तार सहित 98 दिनों तक जारी रहा। सर्वेक्षण बिना रुके चला, यहां तक कि सार्वजनिक अवकाश के दिन भी नहीं रुका। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान एनजीआरआई ने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम जीपीएस तथा ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार जीपीआर जांच की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए तीन सप्ताह का समय मांगा था। साथ ही एएसआई ने अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा था, जिस पर हाई कोर्ट ने एएसआई को 15 जुलाई तक रिपोर्ट पेश करने का कहा है। अब अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी।

राहुल गांधी हाथरस में मृतकों के परिजनों से मिले

बोले- प्रशासन की नाकामी से हादसा, अब तक 123 मौतें

उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से अब तक 123 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी पुलिस का एक्शन जारी है। अब तक बाबा के 6 सेवादारों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, सूरजपाल जाटव उर्फ भोले बाबा फरार है। उधर, कांग्रेस सांसद और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को अलीगढ़ और हाथरस के दौरे पर हैं। उन्होंने सबसे पहले अलीगढ़ और फिर हाथरस पहुंचकर मृतकों और पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि टेंशन मत लीजिए, हम साथ हैं। मैं यूपी के मुख्यमंत्री से विनती करता हूं कि पीड़ितों की हर संभव मदद करें। उन्हें ज्यादा मुआवजा दें, जल्दी दीजिए। क्योंकि उन्हें जरूरत आज है, 6 महीने बाद देंगे क्या मतलब होगा। लोगों ने कहा है कि यह हादसा पूरी तरह से शासन और प्रशासन की नाकामी है। प्रशासन की गलती से सत्संग में भगदड़ मची थी। **राहुल गांधी गांव में जमीन पर बैठकर पीड़ितों से मिले:** बता दें कि राहुल गांधी के साथ उनके साथ यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद दानिश अली और कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारी भी मौजूद हैं। राहुल गांधी हाथरस के नवीपुर खुर्द गांव स्थित एक पार्क में बैठकर मृतकों के परिजनों से मिले।

हाथरस हादसे में छह सेवादार गिरफ्तार, मुख्य सेवादार पर एक लाख का इनाम

हाथरस। हाथरस भगदड़ मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अब तक इस घटना में आयोजन समिति से जुड़े छह सेवादारों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस घटना के मुख्य आयोजक-मुख्य सेवादार देव प्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। गिरफ्तार लोगों में उपेंद्र, मंजू यादव, मुकेश कुमार शामिल हैं। घटना पर अलीगढ़ के आईजी शलभ माथुर ने कहा कि जोन स्तर पर सभी जिलों में एसओजी की टीमों को आरोपियों के चिह्नीकरण व गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। साथ ही मौके से मिले साक्ष्यों को विवेचना का हिस्सा बनाया जा रहा है। गिरफ्तार लोगों ने बताया है कि बाबा के चरण रज लेने से काफी कष्ट दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार लोगों ने बताया कि सेवादार के रूप में कार्य करते हैं, समिति के अध्यक्ष व सदस्य हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के बर्थडे पर उमड़ी लाखों की भीड़, बुलानी पड़ी 4 जिलों की पुलिस

छतरपुर। बीते दिन उत्तरप्रदेश के हाथरस जिले में एक भगदड़ के दौरान 121 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद भीड़ लगने वाली जगहों पर सतर्कता बरती जा रही है, लेकिन गुरुवार को मध्यप्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम में लाखों लोगों की भीड़ पहुंच गई। मौका था कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के जन्मदिन का। उनके जन्मदिन पर लाखों भक्तों की भीड़ बागेश्वर धाम पहुंची। इस दौरान छतरपुर प्रशासन से भीड़ नहीं संभाली गई तो आसपास के चार जिलों से प्रशासन को फोर्स बुलानी पड़ी। बागेश्वर धाम में लगातार उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से घर पर रहने की अपील की। गुरुवार को बागेश्वर धाम में काफी संख्या में भक्तों के आने की संभावना थी। इसको देखते हुए बागेश्वर धाम प्रशासन ने व्यवस्था भी की थी। हालांकि, गुरुवार को उम्मीद से ज्यादा भक्तों की भीड़ बागेश्वर धाम पहुंच गई। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने में प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। छतरपुर प्रशासन को आसपास के जिलों पन्ना, रीवा, टीकमगढ़ और सागर से पुलिस फोर्स बुलानी पड़ी। तब जाकर कहीं भक्तों की भारी भीड़ को नियंत्रित किया जा सका।

लाडली बहनों के खाते में आज पहुंचेंगे 1250 रुपए

भोपाल। मध्यप्रदेश की सवा करोड़ से ज्यादा बहनों के बैंक खातों में एक बार फिर खुशी की घंटी बजने वाली है। प्रदेश सरकार 5 जुलाई को इनके खाते में लाडली बहना योजना की अगली किस्त जारी करने वाली है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली है। इधर किस्त की राशि में बढ़ोतरी न करने की बात पर विपक्ष ने सवाल भी खड़े कर दिए हैं। मप्र में महिलाओं के लिए संचालित लाडली बहना योजना की 14वीं किस्त शुक्रवार को उनके खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस किस्त के रूप में योजना में शामिल सभी महिलाओं को 1250 रुपए की राशि भेजी जाएगी। जानकारी के मुताबिक इसको लेकर प्रदेश सरकार को करीब 9 हजार 455 करोड़ रुपये खर्च करना होंगे। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में शुरू की गई इस योजना के शुरूआत में एक हजार रुपये प्रति माह दिया गया था।

विकास की बातः एयर कार्गो फोरम इंडिया के वार्षिक कॉन्क्लेव-2024 में शामिल हुए मुख्यमंत्री

सीएम डॉ. यादव बोले- मप्र में दिल्ली की तरह एयर कार्गो हब बनने की संभावना

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार को एयर कार्गो फोरम इंडिया के वार्षिक कॉन्क्लेव-2024 में शामिल हुए। कॉन्क्लेव में सीएम ने कहा है कि मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति एवं विकसित अधोसंरचना को देखते हुए मध्यप्रदेश में दिल्ली की तरह एयर कार्गो हब बनने की पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में रेलवे, मेट्रो और एक्सप्रेस-वे का घना जाल बिछाया जा चुका है। अब प्रदेश में हवाई यातायात एवं कार्गो की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में सातों एयरपोर्ट में कार्गो की संभावना है।

अंतर्राज्यीय वायु सेवा शुरू करने वाला राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहां अंतर्राज्यीय वायु सेवा प्रारंभ की गई है। प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है, जिसमें सक्षम व्यक्तियों के अलावा आयुष्मान कार्ड धारकों को भी इस सेवा का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेली सर्विस भी शुरू करवाई गई है। इस दृष्टि से वायु परिवहन के साथ साथ एयर कार्गो के लिए भी प्रदेश में समुचित अधोसंरचना विकसित है।

कार्गो हब के निर्माण से बढ़ेगा व्यापार और रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के संसाधनों के दोहन के लिए व्यापार को बढ़ावा देने के लिए और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रदेश में कार्गो हब का निर्माण सहायक होगा। भविष्य में मध्यप्रदेश को व्यापार का केंद्र बनाने के लिए फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश नाम से डेस्क भी तैयार किया गया है। प्रदेश की आर्थिक विकास गति 20% से अधिक है और कृषि विकास की दर 25% है। गत दिवस प्रस्तुत किए गए प्रदेश के बजट में पिछले बजट के मुकाबले 16% अधिक आवंटन किया गया है।

एयर कार्गो उद्योग के लिए मध्यप्रदेश में संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में एयर कार्गो के माध्यम से 6 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का परिवहन होता है। उन्होंने बताया कि इस दृष्टि से एयर कार्गो उद्योग के लिए मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर कार्गो उद्योग को प्रदेश के विकास में सहभागी बनने और प्रदेश में निवेश करने का निमंत्रण दिया।

सिंगल कॉलम

डेली कॉलेज में पहली बार देश-विदेश के ओल्ड डेलियन को जोड़ने की पहल

इंदौर। *ओल्ड डेलियन एसोसिएशन डेली कॉलेज के इतिहास में पहली बार देश और विदेश के ओल्ड डेलियन को जोड़ने की सबसे बड़ी पहल की गई। ओल्ड डेलियन एसोसिएशन स्टैंडिंग कमिटी ने एक नई पोस्ट ओडीए चैप्टर हेड बनाई है। बता दें कि ओल्ड डेलियन और डेली कॉलेज से कनेक्ट करने का माध्यम बनेगी। इस पोस्ट पर ओडी करण सिगतिया को नियुक्त किया गया। डेली कॉलेज के कई ओल्ड डेलियन विश्व भर के कई शहरों में मौजूद हैं। ऐसे समय में ओडीए चैप्टर हेड इनके लिए एक सोशल मीडिया की तरह काम करेगा। ओल्ड डेलियन की पोस्ट की सबसे बड़ी खासियत होगी कि पहली बार ओल्ड डेलियन कम्युनिटी से अलग हो गए ओल्ड डेलियन को एक प्लेटफॉर्म पर लाने का काम करेगी। यह पोस्ट सभी ऑफिस पोस्ट के बराबर होगी। दुनियाभर से इसमें मेंबर्स पूरे वर्ष की जाने वाली एक्टिविटीज पर विचार करने के साथ पोस्ट के जरिए हर नई अपडेट को जानने का मौका मिलेगा।*

कंपनी सचिव कर रहे पर्यावरण और रक्तदान पर काम

इंदौर। *भारतीय कंपनी सचिव संस्थान देशभर में अपने छात्रों के लिए 01 जुलाई से ×1 जुलाई तक स्टूडेंट मंथ मना रहा है। इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएस हेमंत पाटीदार ने बताया की पूरे जुलाई माह में करीब 2× एक्टिविटीज आयोजित करवाई जाएगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अकादमिक गतिविधियों के साथ साथ अन्य सामाजिक कार्यो में भी इन्वॉल्व करना है। उन्होंने कहा की छात्र माह छात्रों के लिए संस्थान के साथ संवाद करने का एक अवसर है और पिछले कुछ वर्षों में हमारे अनुभव के अनुसार, छात्र उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते रहे हैं। पहले दिन इंदौर चैप्टर द्वारा रेडक्रॉस सोसाइटी ब्लड बैंक कैंपस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उसके उपरांत वन महोत्सव मनाया गया जिसमे संस्थान के सदस्यों एवं छात्रों ने पौधरोपण कर प्रकृति के संरक्षण का मैसेज दिया।*

बच्ची गड्ढे में गिरी, वीडियो देख एलएनटी के ठेकेदार पर 1 लाख रु. की पेनल्टी

इंदौर। *सड़क पर खुदे गड्ढे में एक बच्ची गिर गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने एलएण्डटी कंपनी के ठेकेदार पर 1 लाख रु. की पेनल्टी लगाई है। साथ ही निगम सब इंजीनियर का भी वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। मामला चंदन नगर क्षेत्र के अंबार नगर का है। हाल ही में यहां का एक वीडियो सामने आया था जिसमें ब'ची गिर गई थी। हालांकि वह सकुशल बाहर निकल गई लेकिन यह एक बड़ी घटना का रुप ले सकती थी। यह गड्ढा पानी की पाइप लाइन डालने के लिए किया गया था। दरअसल यहां नर्मदा नल कनेक्शन का काम चल रहा था। इसके लिए इंटर हॉउस कनेक्शन के लिए गड्ढा किया गया था। निगम कमिश्नर ने चेतावनी दी है कि भविष्य में इस तरह की कोई घटना हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।*

सीबीआई ने दो लोगों को हिरासत में लिया, मुंबई ले जाने की सूचना

इंदौर। *इंदौर के लसूड़िया इलाके में सीबीआई की टीम ने गुरुवार शाम को दो लोगों को हिरासत में लिया है। एमवाय अस्पताल में दोनों का मेडिकल कराने के बाद टीम उन्हें साथ ले गई है। हालांकि इस मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक सीबीआई की टीम ने लसूडिया इलाके से हेमंत पुत्र सतीश अग्रवाल व एक अन्य को हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि किसी मामले में उन्हें मुंबई ले जाया गया। यहां से जाने के पहले दोनों का एमवाय में मेडिकल कराया गया। लेकिन अफसर इस मामले में पुष्टि नहीं कर रहे हैं।*

टीसीएस के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने किया रेप

इंदौर। *इंदौर की विजयनगर पुलिस ने टीसीएस के सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर रेप का केस दर्ज किया है। आरोपी इंजीनियर ने पीड़िता को विजय नगर स्थित एक होटल में ले जाकर शादी का झांसा देकर संबंध बनाए थे। लेकिन बाद में वह शादी से मुकर गया। विजय नगर पुलिस ने बताया कि आरोपी अभिषेक उर्फ जैकी पुत्र राधेश्याम द्विवेदी निवासी मैहर (रीवा) पर रेप का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस से कहा कि वह कॉरपोरेट सेक्टर में काम करती है। इसके चलते जैकी से उसकी पहचान हुई। दोनों ही रीवा के मैहर के रहने वाले हैं, इसलिए इंदौर में रहने के दौरान उनके बीच नजदीकियां बढ़ी और वे मिलने लगे। पीड़िता ने कहा कि जैकी मुझे विजय नगर स्थित सौम्या इन होटल में ले गया और रेप किया। यहां उसने मुझसे शादी का वादा किया, लेकिन बाद में मुकर गया। पीड़िता ने कहा कि मैंने उससे शादी को लेकर कई बार बात की लेकिन वह तैयार नहीं हुआ।*

युगपुरुष धाम के 12 और बच्चों की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के पचकुइया क्षेत्र में स्थित युग पुरुष धाम बाल आश्रम में गुरुवार को 12 और ब'चों की तबीयत बिगड़ गई। इन्हें सरकारी चाचा नेहरू अस्पताल में भर्ती किया गया है। आश्रम के कुछ ब'चों में हैजे के लक्षण पाए गए हैं। माना जा रहा है कि हैजे के कारण ही पिछले कुछ दिनों में छह ब'चों की मौत हुई है। गुरुवार को पहले से चाचा नेहरू बाल अस्पताल में भर्ती 12 ब'चों को छुट्टी दे दी गई। उन्हें अब परदेशीपुरा स्थित बाल आश्रम में भेजा गया है।

युग पुरुष धाम आश्रम में छह ब'चों की मौत और 40 से 'यादा के बीमार होने के बाद गुरुवार को फिर 12 ब'चे बीमार हो गए। इन्हें भी ताबड़तोड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस पूरे मामले के दोषियों के खिलाफ जांच रिपोर्ट आने के बाद केस दर्ज कराया जाएगा। रिपोर्ट आने में दो से तीन दिन लगेंगे उधर, 12 ब'चे जो पहले से बाल अस्पताल में भर्ती थे, उन्हें डिस्चार्ज कर परदेसीपुरा स्थित बाल अनाथ आश्रम में भेजा गया है। बुधवार तक 48 ब'चों का चाचा नेहरू में इलाज चल रहा था। यहां से 12 की छुट्टी हुई और इतने ही नए ब'चे भर्ती कराए गए हैं।

आश्रम के ब'चों को हुआ था हैजा

आरंभिक जांच में पता चला है कि आश्रम के सभी ब'चों को हैजा की शिकायत थी और वे 27 जून से ही बीमार थे। डॉक्टर ने भी इसकी जानकारी दे दी थी, लेकिन आश्रम प्रबंधन इसे छिपाता रहा। इसके बाद एक ब'चे की

मौत को भी छिपा लिया गया था। अस्पताल में भर्ती कराए गए दो ब'चों को हैजा होने की पुष्टि हुई है। ब'चों की मौत और गंभीर रूप से बीमार होने के बाद आश्रम संचालक और यहां की व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

तीन दिन में हुई छह ब'चों की मौत

आश्रम की उ'च स्तरीय जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसर ब'चों का नियमित परीक्षण करने वाले डॉक्टर ने 27 जून को ही ब'चों को उल्टी, दस्त की समस्या बता दी थी। मिर्गी से एक की मौत के अलावा, ×0 जून की रात को एक और मौत हुई थी, जिसे प्रबंधन ने छिपा लिया था। इस हिसाब से यहां पांच नहीं, कुल छह मौतें हुई हैं। इस मामले में अब जिला प्रशासन ने आश्रम प्रबंधन पर एफआईआर कराने की अनुशंसा कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आश्रम के सचिव तुलसी शादीजा की मुसीबत बढ़ सकती है।

आश्रम की प्रबंध समिति पर कई आरोप

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि आश्रम की प्रबंध समिति पर प्रथम दृष्ट्या बीमारी की जानकारी समय पर नहीं देने के साथ ब'चे की मौत को छिपाने का आरोप है। संस्था को शो-कॉज नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। आश्रम में क्षमता से अधिक ब'चे होने की बात भी कही गई है। कुछ ब'चों को दूसरी संस्थाओं में शिफ्ट किया जाएगा।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

इस मामले में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कलेक्टर और क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं से एक महीने के भीतर जांच कर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही आश्रम के बाकी दिव्यांग ब'चों की स्वास्थ्य सुरक्षा और देखभाल के उचित इंतजाम के संबंध में भी रिपोर्ट मांगी है।

डॉक्टर ने 27 जून को ही समस्या बता दी थी

आश्रम में × दिन में पांच ब'चों की मौत की उ'चस्तरीय जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रेगुलर विजिट करने वाले डॉक्टर ने 27 जून को ही ब'चों को उल्टी, दस्त की समस्या बता दी थी। मिर्गी से एक मौत के अलावा, ×0 जून की रात को एक और मौत हुई थी, जिसे प्रबंधन ने छिपा लिया। इसका मतलब है कि यहां 5 नहीं, कुल 6 मौतें हुई हैं। इस मामले में अब जिला प्रशासन ने आश्रम प्रबंधन पर एफआईआर कराने की अनुशंसा कर दी है। प्रारंभिक तौर पर सचिव तुलसीराम शादीजा पर केस दर्ज किया जाएगा।

होस्टल, आश्रम और स्कूलों से 50 से 'यादा लिए सैंपल

उधर, होस्टल, आश्रम और स्कूलों में पीने के पानी के सेम्पल लेने और खाद्य व्यवस्था को देखने के लिए टीमों ने काम शुरू कर दिया है। गुरुवार को टीम ने विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया और सैंपल लिए। इस दौरान पीने के पानी के 40 सैंपल लिए गए। इनमें भंवरकुआ क्षेत्र में 10, जूनी इंदौर में 6, मल्हारगंज में 7, चितावद, नवलखा में 8, कनाड़िया क्षेत्र में 2, राऊ और महू क्षेत्र में 5 और बिचौली हप्सी क्षेत्र में 2 सैंपल लिए गए। परदेशीपुरा क्षेत्र के विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इनमें से सात संस्थाओं से सैंपल लिए गए। किशोर न्याय बोर्ड में एक माह पुरानी एक्सपायरी डेट की हल्दी और धनिया पाउडर पाया गया। इसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित केंद्र के किचन में सफाई व्यवस्था नहीं पाए जाने पर उन्हें पर्याप्त साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए।

टिम कुक के नाम पर ऑस्ट्रेलियन को ठगने वाला गिरफ्तार

सॉफ्टवेयर बनाने का झांसा दिया और वसूले एक करोड़

इंदौर। ऑस्ट्रेलिया के नागरिक से ठगी करने वाले इंदौर के एक सॉफ्टेयर इंजीनियर को स्टेट सायबर सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एपल के सीईओ टिम कुक की कंपनी के लिए सॉफ्टेवर बनाने के नाम पर फरियादी से एक करोड़ रुपये ले लिए थे। उसे पार्टनरशिप का लालच भी दिया था। आरोपी मयंक सलूजा ने आरोपी का विश्वास जीतने के लिए टिम कुक के फर्जी साइन का एक कॉन्ट्रेक्ट लेटर भी ऑस्ट्रेलियाई नागरिक अल शेफर्ड को दिया। शेफर्ड ने वकील के माध्यम से कोर्ट में याचिका लगाई। इसके बाद स्टेट सायबर सेल ने जांच की और आरोपी तक पहुंची। शेफर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने एप बनाने के लिए प्रोग्राम डेवलपर के लिए सर्च किया, तो मयंक का पता चला। मयंक से संपर्क किया। मयंक ने सॉफ्टवेयर बनाने के लिए प्रोग्राम डेवलमेंट, एंड्रॉयड मोबाइल एप आदि की अलग-अलग फीस बताई और एक करोड़ रुपये की डिमांड की। शेफर्ड ने रुपये भेज दिए, लेकिन तीन साल बीतने के बावजूद सॉफ्टवेयर तैयार नहीं किया। इसके बाद शेफर्ड ने बार-बार मयंक से रुपये मांगे, लेकिन वह आनाकानी करता रहा। आखिकार शेफर्ड को कोर्ट की शरण लेना पड़ी।

फर्जी कॉन्ट्रेक्ट की जानकारी कंपनी को सौंपी

रा'य सायबर सेल के अफसरों ने मयंक से पूछताछ की, लेकिन वह गुमराह करता रहा। अफसरों ने टिम कुक के फर्जी हस्ताक्षर वाले लेटर की जानकारी उनकी कंपनी को भेजी है। पुलिस ने मयंक को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि कहीं अन्य लोगों को भी आरोपी ने अपना शिकार तो नहीं बनाया है। मयंक ने पुलिस को बताया कि शेफर्ड ने वेबसाइट का डोमेन खुद खरीदा था। मैं उस पर ही काम कर रहा था। वेबसाइट की होस्टिंग ऑल शेफर्ड ने अपलोड की थी, लेकिन एप डेवलपमेंट करने के लिए शेफर्ड ने इसकी होस्टिंग मयंक को ट्रांसफर कर दी। मयंक का दावा है कि इस वजह से शेफर्ड होस्टिंग को एक्सेस नहीं कर पा रहा था। हाईकोर्ट के निर्देश पर साइबर सेल ने इसकी होस्टिंग अपने कब्जे में ले ली है। पुलिस ने बताया कि केस में स्काइप एवं एपल कंपनी को ई मेल के माध्यम से भेजा गया है, जानकारी दी गई है।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन्दौर में यात्री बस संचालकों की बैठक आयोजित

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ

इंदौर- इंदौर जिले में यात्री बस संचालकों से कहा गया है कि वे वर्षाकाल के दौरान यात्री बसों का संचालन पूर्ण सुरक्षित रूप से करें। यातायात नियमों का भी पालन करें। उन्हें हिदायत दी गई है कि लापरवाही पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन्दौर में यात्री बस संचालकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित बस संचालकों को वर्षाकाल के दौरान सुरक्षित वाहनों संचालन किये जाने के दिशा-निर्देश दिये गये है। नियम और निर्देशों की जानकारी सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री राजेश गुप्ता ने दी। उनसे कहा गया कि मार्ग के मध्य पड़ने वाली पुल-पुलिया पर पानी का बहाव होने पर वाहन को पार न करें। वाहन के ब्रेक एवं स्टेयरिंग आदि की आईलिंग कार्य पूर्ण करायें। वाहनों को नियंत्रित गति से संचालित किया जाना सुनिश्चित किया जायें। वर्षाकाल के पूर्व वाहन में समस्त तकनीकी कार्य पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। वाहनों के फ्रन्ट विन्ड शील्ड पर वाइपर एवं ब्रेक लाईट, फॉगलेम्प, इंडिकेटर, हेडलाईट सुचारू रूप से कार्य कर रहे हो यह सुनिश्चित किया जाये। पुल-पुलिया पर लगे संकेतकों को ध्यान से पढ़े एवं पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी का पालन करें। वाहन चालक ड्रायविंग करते समय मोबाईल पर बात न करें। वाहन में प्रवेश व निर्गम द्वार अलग-अलग एवं आपात द्वार ठीक से खुल रहे हो उसे खोलने में कोई बाधा उत्पन्न न हो। वाहन में अग्निशमन यंत्र (चालू हालत में) एवं प्रथम उपचार पेटी होना आवश्यक है। पुल-पुलिया पर पानी होने पर बस में सवार किसी भी यात्री के दबाव में वाहन को पुल पुलिया से पार नही निकाला जाए। वाहन के वैद्य दस्तावेज (पंजीयन प्रमाण पत्र, बीमा, फिटनेस एवं परमिट) होने पर ही वाहन का संचालन करें। चालक का लायसेंस वैद्य हो एवं लोक सेवा यान चलाने के लिये प्राधिकृत होना अनिवार्य है। चालक वाहन की ड्रायविंग सीट पर बैठने के पूर्व अपना मोबाईल परिचालक को सौंप दें, किसी भी स्थिति में वाहन चलाते वक्त मोबाईल का उपयोग न करें। बारिश के दौरान रोड पर वाहनों से थोड़ी ज्यादा डिस्टेंस रखें ताकि जरूरत पड़ने पर वाहन को आराम से रोका जा सकें। बारिश के दौरान कभी भी हैवी ब्रेक नहीं लगावें जिससे वाहन फिसलने का खतरा हो खराब टायरों की वजह से वाहन फिसलने का डर बना रहता है इसलिए टायरों की जांच करा लें और जरूरत हो तो उन्हें बदलवा लें।

हेड कांस्टेबल के भाई का अपहरण, आधा दर्जन से ज्यादा लोग उठाकर ले गए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया इलाके में लसूडिया थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल के भाई का अपहरण हो गया। प्रॉप्रट्री विवाद में दो कार में सवार आधा दर्जन से 'यादा लोग उन्हें उठाकर ले गए। पुलिसकर्मी का भाई थाने पहुंचा है। मामले में पुलिस अपहरण की कारवाई कर रही है। पुलिस को मामले में सीसीटीवी भी मिले है।

कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रॉप्रट्री व्यवसायी का काम करने वाले जीपी पाल गुरूवार शाम अपनी कार से फीनिक्स मॉल के यहां अपनी जमीन पर गए थे। इस दौरान दो कार सवारो ने उनकी कार को पीछा किया ओर कार रोककर उन्हें गाड़ी में बैठाकर ले गए। आरोपियों ने तिंछाफाल के यहां उन्हें छोड़ा ओर कुछ चेक पर साईन

करवा ली। आरोपियों ने प्रॉप्रट्री विवाद को लेकर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में निक्की शर्मा ओर उसके साथियो पर केस दर्ज किया है।

थाने पहुंचे,अपहरण के मामले में कारवाई

जीपी पाल भोपाल के रहने वाले है। वही प्रॉप्रट्री का काम करते है। उनका एक भाई लसूडिया थाने में है। जो हेड कांस्टेबल के पद पर पदस्थ है। बताया जाता है कि कारवाई को लेकर पुलिसकर्मी ने अफसरों पर दबाब बनाया। इस दौरान अफसरों ने साफ कहां कि जो सही कारवाई होगी वही करेगे। अफसरों के मुताबिक मामले में कारवाई की जा रही है। आरोपी दतिया के रहने वाले बताए जा रहे है।

प्रोफेसर ने पांच लोगों को कार से उड़ाया, बुजुर्ग महिला की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके के लोटस शोरूम के पास कार सवार प्रोफेसर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में चार महिला और एक युवक को चोट आई है। गर्भवती महिला व उसकी रिश्तेदार को एमवाय भेजा गया है। वहीं एक घायल बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। वह अपनी बेटी के साथ एरोड्रम से अन्नपूर्णा इलाके में अन्य रिश्तेदार के यहां जा रही थी। टीआई संजू कामले के मुताबिक एमपी 09-डब्ल्यूसी-5045 नंबर की बलिनो कार में सवार वैष्णव एकेडमी के प्रोफेसर आशुतोष सत्यपथी ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में 85 साल की सरोज दुबे निवासी गुजरात, उनकी बेटी खुशी शर्मा निवासी एरोड्रम, प्राची पति हेमंत, निवासी साउथ तोड़ा और नीलिमा सहित एक अन्य युवक घायल हो गए। दो लोगों को एम्बुलेंस से एमवाय भेजा गया। जबकि सरोज दुबे और खुशी को नजदीक के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां

सरोज की मौत हो गई।

रिश्तेदारों के मुताबिक सरोज अपनी बेटी से मिलने गुजरात से इंदौर आई थी। गुरुवार को मोपेड पर सवार होकर अपनी नातिन रोशनी शर्मा के यहां अन्नपूर्णा इलाके में जा रही थी। इस दौरान कार सवार प्रोफेसर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों को गंभीर चोट आई थी।

गर्भवती भी हुई घायल

पुलिस के मुताबिक हादसे में घायल प्राची को तीन से चार माह का गर्भ है। वह नीलिमा के साथ सोनोग्राफी कराने अस्पताल जा रही थी। उन्होंने बताया कि अचानक पीछे से कार आई और उन्हें चपेट में ले लिया। दोनों को हाथ पैरों में गंभीर चोट आई है। पुलिस हादसे के सीसीटीवी फुटेज पुलिस खंगाल रही है। आशुतोष सत्यपथी को पकड़कर लोगों ने पहले पीटा और फिर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। उनके पास श्री वैष्णव एकेडमी का आईडी कार्ड मिला है। लोगों के मुताबिक वह शराब के नशे में थे। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है।

नर्सिंग कॉलेज घोटाले पर विधानसभा में जमकर हुआ हंगामा

मूंग की बोरी लेकर विधानसभा पहुंचे टिमरनी

विपक्ष ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का 4 जुलाई को चौथा दिन था। सुबह ग्यारह बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इसके शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा मचाया। इस सत्र के दौरान टिमरनी से कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह मूंग की बोरी लेकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा कि वे तीन दिन से लगातार ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन उनकी बातें नहीं सुनी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल तक मूंग 16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खरीदी जा रही थी, लेकिन अब उसे घटाकर 8 क्विंटल कर दिया गया है। यह किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार किसान विरोधी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि बजट में लाड़ली बहन को लेकर कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीके चलते सरकार आई थी। जनता के साथ सरकार छल कर रही है। नर्सिंग घोटाले को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार आरोपियों को बचा रही है। सरकार सदन में मामले को लेकर झूठी बात कर रही है। छात्रों की परीक्षा भी

इसलिए हो रही है क्योंकि कोर्ट ने आदेश दिया है। सदन में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि कांग्रेस सुर्खियों में बने रहने के लिए हंगामा कर रही है। नकारात्मक माहौल खड़ा कर रही है। विपक्ष को सकारात्मकता के साथ बजट पर चर्चा करनी चाहिए।

सुर्खियां बटोरने में तोमर को पीएचडी- सिंह

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आरोप पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि नौटंकी करने और सुर्खियां बटोरने में प्रद्युमन सिंह तोमर को पीएचडी हासिल है। इसलिए हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि हम मुद्दा क्यों उठा रहे हैं। जिस तरीके से नर्सिंग घोटाले मामले में सरकार ने क्लीन चिट दे दी उससे साफ लगता है कि सरकार मंत्री को बचाने का प्रयास कर रही है। लेकिन, हम इस मुद्दे को लेकर एक-एक दस्तावेज पटल पर रख चुके हैं। उम्मीद है कि

सरकार जवाब देगी।

बीआरटीएस में गड़बड़ी हुई- जयवर्धन

पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह बीआरटीएस की बस पर दिए बयान पर संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने कहा कि बीआरटीएस कॉरीडोर में संचालित बीसीएलएल के लिए ठेकेदार को इंदौर में 5 करोड़ और भोपाल में 2 करोड़ की अतिरिक्त राशि दी गई। जबकि, टेंडर की शर्तों में इसका प्रावधान नहीं था। इसमें गड़बड़ी की गई। इस पर मंत्री विजयवर्गीय ने जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि प्रमुख सचिव इस मामले की जांच करेंगे। गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इस बात पर भी हंगामा

शून्य काल के बाद नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि विशेष अधिकार हनन की सूचना पर चर्चा कराएं। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मुझे दो अधिकार हनन की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। उस पर विचार के बाद चर्चा कराऊंगा। इसके बाद अधिकार हनन पर चर्चा न कराए जाने पर कांग्रेस ने सदन में हंगामा किया। कांग्रेस ने कहा कि नर्सिंग फर्जीवाड़े पर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर अध्यक्ष तत्काल व्यवस्था दें। इस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विरोध किया।

विजयवर्गीय बोले- अवैध कॉलोनियां वैध नहीं होंगी

विधायक हरदीप सिंह डंग ने अवैध कॉलोनियों को वैध करने का मामला उठाया। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, प्रदेश में एक नेक्सस काम कर रहा है। जिसको रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने कड़े कानून बनाने के निर्देश दिए हैं। हम अवैध कॉलोनियों को वैध नहीं करेंगे, लेकिन जरूरी सुविधाओं का ध्यान रखेंगे।

मंत्री काश्यप नहीं लेंगे वेतन-भत्ते

टिमरनी विधायक अभिजीत शाह मूंग की बोरी कंधे पर रखकर नारेबाजी करते हुए विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार किसान विरोधी है। इधर, एमएसएमई मंत्री चैतन काश्यप ने सदन में मंत्री पद के वेतन-भत्ते छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जो संपन्न हैं उन्हें ऐसा करना चाहिए।

कलियासोत-केरवा के पास टाइगर का खतरा! मड रैली के लिए जगह बदली

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी में हर साल मानसून सीजन में आयोजित होने वाली मड रैली के लिए इस बार जगह दूसरी रहेगी। दरअसल, इस बार टाइगर मूवमेंट भोपाल के आस-पास बढ़ने के कारण कलियासोत और केरवा के पास जंगलों के इलाके में किसी भी तरह की एडवेंचर एक्टिविटी के लिए फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को रोक लगी हुई है। यूं तो मानसून का सीजन शुरू होते ही शहर के एडवेंचर लवर्स ऑफ रोड बाइक और कार लेकर निकल पड़ते हैं, लेकिन इस बार इसकी डेस्टिनेशंस अलग रहने वाली है।

इस बार डेस्टिनेशंस की बात करें तो कार- बाइक रैली के लिए भोपाल और सीहोर के बीच की जगह चुनी गई है। मड एडवेंचर रैली का ईवेंट करवाने के लिए आयोजनकर्ता को सीडीएम, पुलिस और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की

परमिशन लेना पड़ती है। वहीं गाड़ियां फंस जाने और रैली के दौरान किसी हादसे की स्थिति में ईवेंट स्पॉट पर टोइंग व्हीकल और एम्बुलेंस रखना भी जरूरी होता है।

भोपाल-सीहोर के बीच आयोजित की जाएगी रैली

जानकारी के अनुसार, मड रैली का आयोजन भोपाल और सीहोर के बीच किया जाएगा। इससे पहले हर साल ग्रेट स्केप धार एडवेंचर रैली होती है, जो फारेस्ट या इरीगेशन डिपार्टमेंट के लैंड पर की जाती है। इस बार रैली को भोपाल से सीहोर के बीच में करने वाले हैं।

करीब 45 किमी की रहेगी राइड

मड रैली के लिए करीब 45 किलोमीटर की राइड रहेगी, जिसमें 25 से 30 किलोमीटर ऑफरोड राइड होगी। साथ ही सीहोर में एक शइवेट लैंड पर ऑफ-रोड ड्राइविंग की जाएगी, जिसमें 4 किलोमीटर का ट्रैक होगा। इसके अतिरिक्त आयोजनकर्ता चिकलोद रोड और ओबेदुल्लागंज रोड पर भी प्राइवेट लैंड एक्सप्लोर कर रहे हैं, जहां मोटर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज की जा सके।

सैफिया ग्राउंड में तैयार किया आर्टिफिशियल पिट

ऑफरोड बाइकिंग व मानसून सर्किंग के लिए अमरगढ़ वॉटर फॉल के पास 50 बाइक्स के साथ ऑफरोड बाइकिंग के लिए ऑफरोड बाइकिंग ग्रुप प्लानिंग कर रहा हैं। अमरगढ़ वॉटर फॉल के पास करीब 10 किमी का मड पैच मिलता है, जो एडवेंचर से भरपूर है। इसके अतिरिक्त सैफिया ग्राउंड में आर्टिफिशियल पिट भी तैयार की गई हैं। बाइक राइडर इन दिनों बाइक मड प्रेक्टिस के लिए प्राइवेट लैंड का इस्तेमाल कर रहे हैं।

गूगल मैप्स की तर्ज पर एम्स बनाएगा एप सीधे डॉक्टर तक पहुंच सकेंगे मरीज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स भोपाल में बाहर से आने वाले मरीजों व उनके परिजनों को डॉक्टर्स से मिलने में परेशानी होती है। कई बार संबंधित विभागों तक पहुंचना भी बेहद कठिन होता है। मरीजों या उनके परिजनों को पता ही नहीं चल पाता है कि उन्हें जिस विभाग में इलाज कराना है, वो कहां पर है। इस समस्या के समाधान के लिए एम्स अब इंट्रा हॉस्पिटल नेविगेशन सिस्टम से लैस होने जा रहा है। इसके लिए गूगल मैप्स की तर्ज पर एम्स ऐसा एप बनाएगा, जिससे मरीजों को डॉक्टर्स तक पहुंचने में आसानी होगी।

50 विभागों तक मरीजों की पहुंच होगी आसान

एम्स प्रशासन ने करीब 50 विभागों तक मरीजों की पहुंच को आसान बनाने के लिए यह योजना बनाई है। आगामी सितंबर महीने से एम्स के रजिस्ट्रेशन वाले ऐप में मरीजों व उनके परिजनों को इसका विकल्प मिल सकेगा। यह एप देशभर के किसी भी एम्स परिसर में काम करेगा। गूगल मैप पर जिस तरह आप नेवीगेशन का इस्तेमाल करते हैं, किसी भी

लोकेशन को ट्रैक करते हैं, ठीक उसी तरह एम्स के नेवीगेशन एप का उपयोग कर मरीज ओपीडी, ब्लड टेस्ट लैब, लैब या ऑपरेशन थिएटर तक पहुंच सकेंगे।

कैसे काम करेगा एम्स का एप

एम्स का एप इस्तेमाल करने के लिए मरीजों या उनके परिजनों के पास मोबाइल में एम्स का एप होना जरूरी है। इसमें नेविगेशन सिस्टम चालू करना होगा। इसके बाद एप में डॉक्टर का नाम या जहां जाना है उस स्थान का नाम लिखना होगा। इसके बाद नेविगेशन सिस्टम एम्स के उस स्थान तक आपको गाइड कर पहुंचा देगा। इस एप में मरीजों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जानकारी मिलेगी। अभी एम्स में डिपार्टमेंट या डॉक्टर की जानकारी के लिए मरीज व उनके परिजन सुरक्षा गार्ड्स पर निर्भर होते हैं। यदि मरीज को गार्ड की बात समझ में नहीं आती तो वह भटकता रहता है। इस एप से उन्हें यह परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा एम्स का परिसर काफी बड़ा होता है, जिसके गलियारों में कई बार मरीज व उनके परिजन भटक भी जाते हैं। यह एप इस समस्या से भी छुटकारा दिलाएगा। एम्स के मुताबिक सितंबर तक ऐप में यह सुविधा आम जनता को मिलनी शुरू हो जाएगी। एम्स के भोपाल परिसर के अलावा देशभर में एम्स के जितने भी कैंपस होंगे वहां यह ऐप काम करेगा।

भोपाल के कब्रिस्तान से चंदन के पेड़ चोरी, जांच में जुटी पुलिस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित झदा कब्रिस्तान से 9 चंदन के पेड़ चोरी चले गए। घटना 26-27 जून की दरमियानी रात की है। कब्रिस्तान के अध्यक्ष द्वारा 27 जून को थाने में शिकायत की गई थी। पुलिस ने शिकायती आवेदन लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसी बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात पांच और पेड़ चोरी चले गए। लगातार चंदन के पेड़ कटने की शिकायत के बाद पुलिस ने बुधवार को अज्ञात तस्करों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस चंदन तस्करों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार मुर्गी बाजार जहांगीराबाद निवासी

पूर्व पार्षद रिहान अहमद गोल्डन झदा कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि झदा कब्रिस्तान में गत 26-27 की दरमियानी रात अज्ञात तस्करों ने चंदन के पेड़ काट लिए। चार पेड़ काटे जाने की शिकायत लेकर वह 27 जून को जहांगीराबाद थाने पहुंचे थे। पुलिस ने शिकायती आवेदन लेने के बाद उन्हें चलता कर दिया।

पुलिस का कहना था कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। इसी बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी फिर झदा कब्रिस्तान से तस्करों ने पेड़ काट लिए। लगातार पेड़ काटे जाने से परेशान होकर वह थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की शिकायत की। उनकी शिकायत पर जहांगीराबाद पुलिस ने अज्ञात तस्करों पर चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। टीआई संजय सोनी ने बताया कि अज्ञात आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कब्रिस्तान का चौकीदार रात 11 बजे बाद चला जाता है। आस पास सीसीटीवी कैमरे भी नहीं हैं।

कीचड़ से भरी गोशाला में रखा गया था 78 गायों को, प्रशासन ने की कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। करोंद इलाके में कीचड़ से भरी गोशाला में गायों को रखा जा रहा था। प्रशासन की टीम बुधवार दोपहर कार्रवाई के लिए पहुंची, तो कुछ लोगों ने उसका विरोध किया। अधिकारियों की समझाइश के बाद विरोध शांत हो गया। गोशाला से 78 गायों को मुक्त कराया। उन्हें बहुत गंदगी में रखा गया था। गोशाला की हालत को देखते हुए सभी गायों को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया। गोशाला को करीब 6 साल से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर चलाया जा रहा था। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए आंकी गई है।

शेड तक नहीं थ- सभी गायों को खुले में रखा गया था। बारिश से बचने के कोई खास इंतजाम नहीं होने से पूरे में कीचड़ ही कीचड़ हो गया था। उसी कीचड़ में गायों को खाने के लिए भूसा डाला जा रहा था। एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने बताया कि की करोंद के करोंद कला गांव में करीब 0.200 हेक्टेयर सरकारी जमीन पर रामबाबू पिता मथुरा प्रसाद द्वारा अतिक्रमण किया था। उन्होंने वहां पर एक गोशाला बनाई थी। उस पर उनका करीब 6 साल से कब्जा था। करीब 15 दिन से उसकी शिफ्टिंग किए जाने के प्रयास किए जा रहे थे।

बुधवार को टीम के साथ सभी गायों को शिफ्ट किया गया। बारिश और कीचड़ में रखी गईं 78 गायों को नगर निगम की गो संवर्धन शाखा के माध्यम से स्वास्थ्य जांच कराया जा रहा है। मेडिकल जांच के बाद उन्हें सरकारी गोशाला में भेजा जाएगा। गोशाला बनने से पहले यहां पर डेयरी संचालित हो रही थी। उसी को गोशाला बनाया दिया गया।

सांची विश्वविद्यालय में बौद्धधर्म-दर्शन एवं मूल्यपरक शिक्षा पर कार्यशाला 8से

सांची। सांची विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय बौद्धधर्म-दर्शन एवं मूल्यपरक शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन 8 जुलाई से किया जाएगा। कार्यशाला का उद्घाटन मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्?यास और धर्मस्व मंत्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी करेंगे। भारतीय ज्ञान प्रणाली के परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संदर्भ में आयोजित कार्यशाला में बुद्ध पूर्व के भारत में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति से लेकर बुद्ध की शिक्षाओं, उनके बताए निर्वाण मार्ग, शिक्षा केंद्रों का विकास और पाठ्यक्रम के साथ ही बौद्धधर्म-दर्शन पर केंद्रित मूल्यपरक शिक्षा की उपयोगिता पर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में बौद्ध दर्शन के विशिष्ट विद्वान चिंतन मनन करेंगे। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला 8 से 12 जुलाई तक आयोजित होगी। कार्यशाला में 5 कुलपति, प्रोफेसर एवं बौद्ध दर्शन के विद्वान शामिल होंगे। दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान कार्यशाला में सह-आयोजक है। बौद्ध धर्म-दर्शन, विश्व की सर्वाधिक प्रभावशाली प्रणालियों में से एक है, जो सत्य के परीक्षण हेतु तर्कसंगत और व्यवस्थित दृष्टिकोण के लिए विख्यात है। यहाँ हमेशा मूल्य आधारित और ज्ञानोन्मुखी शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया गया है। स्व-शिक्षा के दृष्टिकोण के रूप में, बौद्ध नैतिक विचार शिक्षार्थियों को अपने आत्म-स्वभाव की खोज करने की प्रेरणा देते हैं। बौद्धधर्म- दर्शन नैतिकता, मैत्री, करुणा और समानता पर बल देती है जो आधुनिक शैक्षिक बिन्दुओं जैसे शांति शिक्षा, परिस्थितिकी शिक्षा और शिक्षा में समानता के संवर्धन हेतु अपेक्षित हैं। बौद्ध दृष्टिकोण में, शिक्षकों से सावधानीपूर्वक शिक्षण का अभ्यास करते हुए मानसिक जागरुकतापूर्व अध्यापन आत्म-जिम्मेदारी, दयालु संचार और अपनेपन की एक शांतिपूर्ण, बौद्धिक संस्कृति बनाने पर जोर दिया गया है।

1.42 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में फरार तीन आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच की टीम ने धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने भोपाल के कारोबारी को 1.42 करोड़ रुपये से ज्यादा की चपत लगाई थी। क्राइम ब्रांच ने व्यवसायी की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक इस मामले की शिकायत राजकुमारी गुप्ता और निखिल गुप्ता निवासी संजीव नगर निशातपुरा ने की थी। शिकायत में बताया गया था कि अनावेदकगण सुमित पाल सिंह, विनय पाराशर और करोल सिंह द्वारा 1500 मीट्रिक टन डामर की सप्लाई करने के नाम पर मात्र 475 मीट्रिक टन सप्लाई की गई। शेष राशि 1 करोड़ 42 लाख 34 हजार 62 रुपये हड़प लिए गए हैं। शिकायत के आधार पर क्राइम ब्रांच ने तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर विवेचना में लिया था। जांच के दौरान तकनीकी सहायता और लोकेशन के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम दिल्ली, गुड़गांव, हरियाणा के लिए रवाना हुई। पुलिस की एक टीम गुड़गांव स्थित आरोपियों के कार्यालय पहुंची, जहां एक आरोपी सुमित पाल सिंह (34) निवासी हरिनगर नई दिल्ली मिला। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म कबूल किया। अन्य फरार आरोपी विनय पाराशर (33) निवासी गुड़गांव हरियाणा और करोल सिंह निवासी हरियाणा को उसकी निशानदेही पर गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में एसआई सूरज सिंह रंधावा की टीम को लगाया गया था।

सम्पादकीय

जीका वायरस से मौत नहीं होती, फिर भी यह है बड़ा खतरा

यदि कोई महिला गर्भावस्था के दौरान जीका वायरस से संक्रमित हो जाती है, तो उसके बच्चे में माइक्रोसेफली होने का खतरा बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं को जीका होने से उनके पैदा होने वाले बच्चों में माइक्रोसेफली (सिर का छोटा होना) का खतरा रहता है, इसलिए यह चिंता का विषय है।

जीका वायरस को लेकर केंद्र ने सभी राज्यों को अलर्ट किया है। केंद्र की ओर इसको लेकर एक एडवाइजरी भी जारी की गई है। महाराष्ट्र में जीका वायरस के कुछ मामले सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी कर स्थिति की लगातार निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। राज्यों से कहा गया है कि वे गर्भवती महिलाओं की जीका वायरस जांच कराए जाने पर ध्यान दें। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल की ओर जारी एडवाइजरी के अलावा, मंत्रालय ने स्वास्थ्य संस्थानों को एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। जीका वायरस संक्रमण एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। इस मच्छर से डेंगू और चिकनगुनिया भी होता है। हालांकि जीका संक्रमण से मौत नहीं होती है। भारत में सबसे पहला जीका का मामला 2016 में गुजरात में सामने आया था। उसके बाद से कई अन्य राज्यों में भी इसके मामले सामने आए हैं, जिनमें तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश और दिल्ली शामिल हैं। गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस संक्रमण माइक्रोसेफली का सबसे बड़ा खतरा है। यदि कोई महिला गर्भावस्था के दौरान जीका वायरस से संक्रमित हो जाती है, तो उसके बच्चे में माइक्रोसेफली होने का खतरा बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं को जीका होने से उनके पैदा होने वाले बच्चों में माइक्रोसेफली (सिर का छोटा होना) का खतरा रहता है, इसलिए यह चिंता का विषय है। माइक्रोसेफली एक ऐसी स्थिति है जिसमें बच्चे का सिर सामान्य से छोटा होता है। यह मस्तिष्क के विकास में बाधा डाल सकता है और यह बच्चे की विकलांगता का कारण भी बन सकता है। जीका वायरस से हल्का बुखार, रैशेज, जोड़ों में दर्द, आंखों का लाल होना (कंजंक्टिवाइटिस), मांसपेशियों में दर्द और सिरदर्द हो सकता है। ये लक्षण आमतौर पर दो दिन से एक हफ्ते तक रहते हैं। जीका वायरस का कोई खास इलाज नहीं है। ज्यादातर लोगों में हल्के लक्षण होते हैं। डॉक्टर की सलाह पर दवा, आराम और तरल पदार्थ लेने की सलाह दी जाती है। महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस फैल रहा है। शहर में संक्रमण के 6 मामले सामने आए हैं। खास बात यह है कि इनमें दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पुणे के एरंडवाने इलाके की 28 साल की गर्भवती महिला में जीका वायरस का संक्रमण पाया गया है। महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके अलावा एक और 12 सप्ताह की गर्भवती महिला के जीका वायरस से संक्रमित होने का पता चला है। फिलहाल, दोनों महिलाओं की हालत स्थिर है। पुणे में जीका वायरस संक्रमण का पहला केस एरंडवाने इलाके में ही सामने आया था, जब 46 साल के डॉक्टर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। डॉक्टर के बाद उनकी 15 साल की बेटी का सैंपल भी पॉजिटिव पाया गया था। इसके अलावा दो संक्रमित मुंधवा इलाके में मिले हैं, इनमें से एक 47 साल की महिला और दूसरा 22 साल का शख्स है। पुणे नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग सभी मरीजों की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों के मुताबिक एहतियात के तौर पर संक्रमित मच्छरों को रोकने के लिए फॉगिंग और फ्यूमिगेशन जैसे उपाय किए जा रहे हैं। दुनिया में जीका वायरस का पहला मामला 1947 में युगांडा में सामने आया था। उस समय बंदरों में जीका की पुष्टि हुई थी। इंसानों में जीका का पहला मामला 1952 में सामने आया था। जीका वायरस का प्रकोप बड़े पैमाने पर 2007 में याप आइलैंड में देखने को मिला था। इसके बाद 2013-2014 में फ्रांस के पोलिनिसिया में जीका संक्रमण ने तबाही मचाई थी। इसके अगले साल ब्राजील में जीका खूब फैला। अक्टूबर 2015 से जनवरी 2016 के बीच ब्राजील में लगभग 4,000 बच्चे जीका वायरस के साथ पैदा हुए थे।

लक्षणों को देखने के बाद या यदि आपने हाल ही में जीका प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा की है तो या यदि आपको संदेह है कि आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को जीका वायरस का संक्रमण है, तो डॉक्टर से परामर्श लें। डॉक्टर वायरस और अन्य मच्छर जनित बीमारियों की जांच के लिए रक्त परीक्षण का सुझाव देंगे। यदि आप गर्भवती हैं या

क्यों बढ़ता जा रहा स्वयंभू बाबाओं का तिलिस्म?

बाबाओं के बारे में एक बड़ी थ्योरी अमेरिकन सोशियोलॉजिस्ट जॉर्ज रिजर ने दी है। उन्होंने 2011 में अपनी किताब सोशियोलॉजिकल थ्योरी में बताया है कि जितने भी धार्मिक नेता होते हैं, उनमें ज्यादातर चमत्कार का सहारा लेते हैं। ऐसे लोग एक समूह बनाते हैं, जो उनमें आस्था रखते हैं और दूसरे लोगों को बाबा की खूबियों और उनके चमत्कार को बताते हैं। इससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं।

एक शहर में दरबार लगा है। यह दरबार किसी राजा-महाराजा का नहीं, बल्कि एक स्वयंभू बाबा का है, जो खुद को ईश्वर का अवतार बताता है। एक व्यक्ति भरे दरबार में खड़ा होता है और कहता है कि बाबा मुझे नौकरी नहीं लगी है। इस पर बाबा कहते हैं कि तुमने पिछली बार समोसा कब खाया था? वह व्यक्ति कहता है कि मैंने पिछले संडे को समोसा खाया था। तब बाबा पूछते हैं कि यह जो समोसा तुमने खाया, वो लाल चटनी के साथ खाया था या हरी चटनी के साथ? तब वह आदमी कहता है कि लाल चटनी के साथ। इस पर बाबा फौरन कहते हैं कि बस यही कृपा रुकी हुई है। अबकी बार जब भी समोसा खाना तो हरी चटनी के साथ खाना। कृपा दौड़ती हुई आएगी। यह तो एक बाबा की कहानी है। अब जरा एक और बाबा की कहानी जान लीजिए।

इससे पहले इसी साल फरवरी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने वाले एक पाखंडी बाबा को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि बाबा लोगों को दैवीय शक्तियों से पैसों की बारिश होने का झांसा देता था। वह कहता था कि बेटियों को अनुष्ठान में भेजो तो पैसों की बारिश कराऊंगा। दरअसल, पीड़िता के परिवार को यह जानकारी मिली थी कि बाबा कहे जाने वाला कुलेश्वर सिंह राजपूत कुंवारी लड़कियों की पूजा करवाता है, जिसके बाद काफी पैसा बरसता है। इस झांसे में आकर घरवालों ने घर की दोनों नाबालिग बेटियों को पाखंडी बाबा के पास रतनपुर भेजा। सार्क यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. देवनाथ पाठक के अनुसार, आप किसी भी शहर में चले जाएं या आप ट्रेन से कहीं गुजर रहे हों तो अकसर शहर आते ही दीवारों पर बड़े-बड़े अक्षरों में वशीकरण, सौतन और दुश्मन से छुटकारा पाएं, प्यार में चोट खाए प्रेमी यहां संपर्क करें जैसे विज्ञापनों की बाढ़ देखने को मिलती है। ज्यादातर विज्ञापन बाबा बंगाली के नाम से छपे हुए दिखते हैं, जो शर्तिया समस्या का समाधान करने की बात कहते हैं। भारत सच्चे साधु-संतों के साथ-साथ ऐसे फर्जी और ढोंगी बाबाओं का भी गढ़ रहा है, जिनके पास हमराज चूर्ण की तरह हर समस्या का समाधान है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत?संग के दौरान भगदड़ मच गई। हाथरस के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के गांव फुलरई में आयोजित भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी। मरने वालों में ज?यादातर महिलाएं और बच?चे हैं। बताया जा रहा है कि भोले बाबा मूल रूप से कांशीराम नगर (कासगंज) में पटियाली गांव के रहने वाले हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने 2017 में 14 ऐसे फर्जी बाबाओं की लिस्ट तैयार की थी, जो मनी लॉन्ड्रिंग, रेप और हत्या के कई मामलों में आरोपी रहे थे। इनमें डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम, आसाराम, नारायण साई, राधे मां, रामपाल, स्वामी असीमानंद, स्वामी सच्चिदानंद, ओम स्वामी, निर्मल बाबा, इच्छाधारी भीमानंद, आचार्य कुशमुनि, बृहस्पति गिरि और मलखान सिंह शामिल थे। राम रहीम पर रेप और हत्या के मामले चल रहे हैं। आसाराम बापू पर हत्या और रेप का मुकदमा दर्ज है और वह 2013 से जेल में बंद है। आसराम के बेटे नारायण साई पर शिष्या से रेप के आरोप हैं। राधे मां पर दहेज उत्पीड़न को बढ़ावा देने का आरोप है। संत रामपाल पर हत्या का आरोप है। स्वामी असीमानंद पर 4 आतंकी हमलों की साजिश रचने के आरोप हैं। स्वामी सच्चिदानंद को डिस्को बाबा या बिल्डर बाबा भी कहा जाता है, जिस पर शराब के कारोबार के आरोप हैं। वहीं, बिग बॉस सीजन 10 में रहे ओम स्वामी पर महिला पर यौन शोषण का आरोप है। निर्मल बाबा पर टैक्स चोरी करने और अंध विश्वास फैलाने के आरोप हैं। इच्छाधारी भीमानंद पर एक सेक्स रैकेट चलाने का आरोप है। आचार्य कुशमनि, बृहस्पति गिरि और मलखान सिंह पर भी ऐसे ही आरोप हैं। हालांकि, इन सभी ने अखाड़ा परिषद की इस लिस्ट को नकार दिया था।

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. देवनाथ पाठक ने बताया कि बाबाओं के बारे में एक बड़ी थ्योरी अमेरिकन सोशियोलॉजिस्ट जॉर्ज रिजर ने दी है। उन्होंने 2011 में अपनी किताब सोशियोलॉजिकल थ्योरी में बताया है कि जितने भी धार्मिक नेता होते हैं, उनमें ज्यादातर चमत्कार का सहारा लेते हैं। ऐसे लोग एक समूह बनाते हैं, जो उनमें आस्था रखते हैं और दूसरे लोगों को बाबा की खूबियों और उनके चमत्कार को बताते हैं। इससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं।

रिसर्चर अंजलि आनंद की स्टडी राइजिंग पॉपुलैरिटी ऑफ रिलीजियस लीडर्स इन इंडिया- ए सोशियोलॉजिकल स्टडी में कहा गया है कि ज्यादातर बाबा लोगों को उनकी समस्याओं को लेकर टार्गेट करते हैं और उनसे मुक्ति दिलाने के नाम पर पैसे बनाते हैं या गलत काम करते हैं। उन्होंने इसके लिए एक सर्वे किया, जिसमें यह पता लगा कि ऐसे धार्मिक सत्संगों में सबसे ज्यादा जाने वाली महिलाएं होती हैं। पुरुष भी जाते हैं। सत्संग में सबसे ज्यादा 40 से 50 साल के बीच की महिलाएं और पुरुष जाते हैं। सबसे कम संख्या 20 से 30 साल वालों की होती है। सर्वे में यह निकलकर आया कि 20 से 30 साल वाले अपनी सामाजिक जिंदगी से संतुष्ट होते हैं और वह हर तरह से खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। वहीं, 40-50 के बीच वालों में ज्यादातर सामाजिक असुरक्षा और असंतोष का भाव होता है।

स्टडी में कहा गया है कि ढोंगी बाबाओं के चंगुल में वो लोग ज्यादा फंसते हैं, जो मध्यम आय वर्ग के हैं। यानी जिनकी सालाना कमाई 1.8 लाख से लेकर 5 लाख तक होती है। इनकी संख्या करीब 42 फीसदी थी। वहीं, ऊपरी मध्यम वर्ग यानी 5 से 8 लाख तक की कमाई वाले लोग भी इससे अछूते नहीं हैं। 8 लाख और इससे ऊपर के अपर क्लास की बात की जाए तो वो ऐसे बाबाओं के चक्कर में बहुत कम ही पड़ते हैं। ऐसे लोगों का प्रतिशत महज 10 ही था।

स्टडी के अनुसार, ज्यादातर लोग भगवान के अवतार में यकीन करते हैं। सर्वे में हिस्सा लेने वाले करीब 93 फीसदी यह मानते हैं कि ईश्वर एक दिन अवतार लेगा और उन्हें उनके दुखों से मुक्ति दिलाएगा। वहीं, महज 7 फीसदी ही ऐसे थे, जो अवतार पर यकीन नहीं करते थे। बाबा लोग इसी अवतारवाद का फायदा उठाते हैं और श्रद्धालुओं को डराते हैं।

स्टडी के अनुसार, ज्यादातर लोग अपने दोस्तों की बदौलत ऐसे बाबाओं के संपर्क में आते हैं। सर्वे में करीब 34 फीसदी ऐसे लोग थे। वहीं, टीवी के जरिए करीब 28 फीसदी लोगों को ऐसे सत्संग या बाबा के बारे में पता चलता है। जबकि 25 फीसदी को इंटरनेट से यह जानकारी होती है। महज 13 फीसदी को ही दूसरे सोर्स से ऐसे बाबाओं के बारे में जानकारी पता चली थी।

एक बात और यह कि भारतीय समाज आरंभ से ही आस्थावादी और धर्मभीरू रहा है, लेकिन पहले के मुकाबले बाबाओं के प्रति आकर्षण और श्रद्धा बढ़ने का एक बड़ा कारण पश्चिमीकरण, नव-नगरीकरण और अंध-आधुनिकता है। इन सबने मनुष्य के जीवन में एक आध्यात्मिक शून्य पैदा कर दिया है। धर्म और धार्मिक क्रिया-कलाप जिस तरह दिखावे और प्रदर्शन का जरिया बनते जा रहे हैं उससे भी समस्याएं बढ़ी हैं। इसके अतिरिक्त एक अन्य बड़ी घटना जो बीसवीं सदी के अंत में देखने को मिली वह थी संयुक्त परिवारों का टूटना। संयुक्तपरिवार भारतीय जनता के लिए एक बड़े सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक संबल का कार्य करता था। संरचनात्क रूप से संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि से पिछले रसायन ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञानिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं।

इसी के समानांतर एक और प्रक्रिया भी चल रही है और यह है राजसत्ता द्वारा अपने उत्तरदायित्व का सही ढंग से निर्वाह नहीं करना। पश्चिमी साजों में भी लोगों को उपरोक्त सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक हालात का सामना करना पड़ा, लेकिन कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का उचित परिपालन करते हुए वहां राजसत्ता ने अपना उत्तरदायित्व काफी हद तक निभाया। विभिन्न कारणों से अपने देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने भी का काम किया जाने लगा। धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। वे ऐसे काम भी करने लगे जो राज्यसत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी।

इन कामों की आड़ में वे लगातार कई तरह के गोरखधंधों और आपराधिक कृत्यों में भी संलिप्त होने लगे। स्मगलिंग से लेकर विभिन्न हथकंडे अपनाने के साथ झूठ-फरेब, दलाली-ठेकेदारी और सफेदपोश लोगों के कालेधन को सफेद करके कई बाबाओं ने अपना आर्थिक साम्राज्य हजारों करोड़ में फैला लिया। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं। मिसाल के तौर पर ड्रग्स के खिलाफ गुरमीत राम रहीम की मुहिम ने तो लोगों को खूब लुभाया। समाजशास्त्र की भाषा में इसे सामाजिक वैधता कहते हैं जिसे पाकर कई बाबा अति शक्तिशाली होते गए। अफसोस की बात यह है कि अपने को बाबा या स्वामी कहने वाले महान भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को नजरंदाज करते रहे जिसे संन्यास का जीवन त्याग और तपस्या का पर्याय होता है।

परिवार का मूल्य समझाता पश्चिम
हमें भी इस तरफ सोचने की जरूरत

हाल ही में एक खबर ने चकित किया। उसमें बताया गया था कि अब स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। यह कानून वहां की संसद में पास किया गया है। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं। इस खबर को पढ़कर वे घटनाएं याद आती हैं, जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातिनों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में खलल की तरह महसूस होता है। इस लेखिका ने यूरोप में ऐसे अनेक लोगों को देखा है, जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। सुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। कहने का अर्थ यह कि इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में। लेकिन विभिन्न विमर्शों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना-बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता-पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व-त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर भी उनकी कोई सुध नहीं लेते। इसीलिए वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर पर्सनल कॉलम्स में बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूंजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते। ऐसी भी खबरें आती हैं कि जब माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउंट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं।

कैसे चलेगी कार्यवाही? क्या हंगामे की भेंट चढ़ जाएंगे अगले भी सत्र?

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पास कराने के साथ ही संसद की कार्यवाही 3 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। आम चुनाव के बाद 18वीं लोकसभा की कार्यवाही 24 जून को शुरू हुई थी जो कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तर के बाद 2 जुलाई को तथा राज्यसभा का 264 वां सत्र प्रधानमंत्री के उत्तर के बाद 3 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। लेकिन पक्ष और विपक्ष के बीच संसद के इस सत्र में और खासकर लोकसभा में जिस तरह का संग्राम हुआ वह भविष्य के संसदीय लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी बजा गया। दरअसल, लोकसभा में एनडीए और इंडिया नाम के दो गठबंधन पक्ष और विपक्ष के जैसे आचरण करने के बजाय दो घोर शत्रुओं का जैसा आचरण कर रहे थे और पीठासीन अधिकारी पंच परमेश्वर की भूमिका नहीं निभा रहे थे। जिम्मेदार नेता संसदीय आचरण और परम्पराओं को भूलकर राष्ट्रहित की बातें कम और एक दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत जहर ज्यादा उगल रहे थे, इसलिए कहा जा सकता है कि दोनों हाथों से ताली बजने के कारण संसद में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा हुई है जो आने वाले सत्रों के लिए बहुत बुरा संकेत है। संसद में टकराव स्पीकर के चुनाव को लेकर ही शुरू हो गया था। सत्ता पक्ष विपक्ष को यह संदेश देना चाहता था कि तुम चाहे हमारा आधार और लोकप्रियता घटने का जितना भी प्रचार करो और बहुमत न मिलने का चाहे जितना भी ढोल क्यों न पीट लो मगर सरकार हमारी ही बन गई और तुम सब मिलकर भी एक अकेली भाजपा के बराबर नहीं पहुंच सके। सत्ता पक्ष पहले ही मंत्रियों को पुराने विभाग देकर संदेश दे चुका था कि सबकुछ वही है और सरकार का इकबाल उतना ही बुलंद है, इसलिए स्पीकर भी वही रहेंगे जो कि मोदी-2 में थे। लेकिन विपक्ष सत्रहवीं लोकसभा के कटु अनुभव नहीं भूला था। पिछली बार विपक्ष के जो 140 सांसद संसद से निलंबित किए गए उनमें 100 सांसद लोकसभा के थे। यही नहीं विपक्ष को स्पीकर ओम बिड़ला से एक नहीं बल्कि अनेक शिकायतें थीं इसलिए विपक्ष का ओम बिड़ला के नाम से बिदकना स्वाभाविक ही था। लेकिन टकराव की असली वजह इस बार विपक्ष के और ताकतवर बन कर उभरने की तथा सत्ता पक्ष और खासकर भाजपा के कमजोर होने की थी, इसलिए विपक्ष भी सत्ता पक्ष को अपनी ताकत का अहसास दिलाने के लिए डिप्टी स्पीकर की मांग पर अड़ा रहा। बहरहाल लोकसभा में महज ध्वनिमत से ओम बिड़ला स्पीकर चुन लिए गए।

संविधान का मुद्दा भी गरमा गया माहौल

चूंकि विपक्षी इंडिया खेमे ने आम चुनावों के दौरान संविधान को खतरे का मुद्दा बनाया था और उसे कुछ हद तक इसका लाभ भी मिला था, इसलिये विपक्षी सदस्यों ने उस मुद्दे को जिन्दा रखने के लिए संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर लोकसभा सदस्यता की शपथ ली। जो कि सत्ता पक्ष को नागवांर गुजरी। इसलिये उसने भी राष्ट्रपति और पीठासीन अधिकारियों के मार्फत 1975 में लगी इमरजेंसी की याद विपक्ष को दिला दी। इसने आग में घी डालने का काम किया। सर्वविदित् है कि राष्ट्रपति का भाषण कैबिनेट द्वारा तैयार होता है और उसी की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति द्वारा पढ़ा जाता है। लेकिन स्पीकर या राज्यसभा के सभापति की ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। लोकसभा में स्पीकर का एक पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम लेकर इमरजेंसी का निन्दा प्रस्ताव पढ़ना विपक्ष और खास कर विपक्ष के सबसे बड़े दल को नागवार गुजरना स्वाभाविक ही था। बात यहीं समाप्त नहीं हुई। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण प्रधानमंत्री को उकसाने के लिए काफी था और उसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जिस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी पर केन्द्रित किया उसका जवाब उन्हें तत्काल ही सदन में भारी हूटिंग से मिल गया। पिछली बार विपक्ष बहुत कमजोर और बंटा हुआ था इसलिए अक्सर सत्ता पक्ष के भारी बहुमत की हूटिंग से विपक्ष के नेताओं की आवाजें दब जाया करतीं थीं। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष ने अपनी आवाज के बढ़े हुए वॉल्यूम का अहसास जानबूझ कर प्रधानमंत्री को दिलाया। हालांकि इसका जवाब भी विपक्ष को आने वाले सत्रों में अवश्य मिलेगा। संसद का महौल बिगाड़ने के लिए राजनीतिक दलों के साथ ही पीठासीन अधिकारियों का पक्षपातपूर्ण रवैया भी जिम्मेदार रहा है। दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने पहले ही सत्र में संकेत दे दिया कि वे न तो बदलने वाले हैं और लोकतंत्र से ज्यादा उनकी निष्ठा पद का सुख प्रदान कराने वालों के प्रति है। बीते सत्र के दौरान न तो विपक्ष ने सदन के नेता प्रधानमंत्री का लिहाज किया और ना ही नेता विपक्ष के पद का लिहाज किया गया। लोकसभा में नेता विपक्ष के भाषण के रिकॉर्ड में जिस तरह काटपीट हुई वह नेता प्रतिपक्ष की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन ही था। विधान सभाओं में हो चुका है खून-खराबा संसद में भारी हंगामें और पक्ष-विपक्ष की बीच बहुत तीखी तकरार के कई मौके आ चुके हैं। लेकिन ऐसी नौबत शायद ही पहले कभी आई हो। राज्य विधानसभाओं में पक्ष विपक्ष की दुश्मनी के चलते अनेक बार हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। 1 जनवरी 1988 को तमिलनाडु विधानसभा में जानकी रामचंद्रन ने विश्वास मत के लिए विशेष सत्र बुलाया था। अपने पति एमजीआर के निधन के बाद वह मुख्यमंत्री बनीं थीं। लेकिन ज्यादातर विधायक जयललिता के साथ थे। इस दौरान सियासी गठजोड़ के बीच विधानसभा की बैठक में माइक और जूते चले। सदन में लाठीचार्ज भी करना पड़ा। इसी तरह 25 मार्च 1989 तमिलनाडु विधानसभा में ही बजट पेश करने के दौरान दंगे जैसे हालात पैदा हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान जयललिता की साड़ी फाड़ने की कोशिश की गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा में 22 अक्टूबर 1997 में दंगा भड़क गया, जिसमें विधायकों ने एक-दूसरे पर फेंकने के लिए माइक्रोफोन, कुर्सियां और अन्य सामान उठा लिया। सुरक्षाकर्मियों ने अध्यक्ष की ढाल के रूप में डेस्क के ऊपरी हिस्से को उखाड़ दिया। विधायकों के बीच हुई हिंसा इस कदर बढ़ी जिसमें स्पीकर समेत कई विधायक घायल भी हुए। महाराष्ट्र विधानसभा में 10 नवंबर 2009 को सपा के विधायक अबु आजमी ने हिंदी में शपथ ली तो एमएनएस के चार विधायक हिंसक हो गए। इसके बाद चार साल तक इन विधायकों को सस्पेंड किया गया। केरल विधानसभा में 13 मार्च 2015 केरल विधानसभा में बजट पेश करने के दौरान विपक्षी दलों ने हंगामा करते हुए हाथपाई शुरु कर दी। इस दौरान दो विधायक घायल हो गए। अगर संसद में दोनों पक्षों का नजरिया नहीं बदला तो राज्य विधान सभाआओं में हुई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की नौबत संसद में भी आ सकती है। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले विवादास्पद विषयों पर भी बहस मर्यादा का उल्लंघन न करे इसलिये संसद द्वारा ही सदस्यों के लिये आचार संहिता तैयार की जाती है। इसीलिये कहा जाता है कि संसद किसी की इच्छा या राजनीतिक सहूलियत से नहीं बल्कि नियमों से चलती है। कुछ स्थापित संसदीय रीति-रिवाज, परंपराएं, शिष्टाचार और नियम हैं जिनका पालन सदस्यों को सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह करना आवश्यक होता है।

एआर रहमान की सूझ-बूझ के कायल हैं जावेद अख्तर

कहा- उम्र में छोटे हैं पर मुझसे ज्यादा समझदार हैं

जावेद अख्तर और एआर रहमान की जोड़ी ने भारतीय संगीत इंडस्ट्री को इसके कुछ बेहतरीन गाने दिए हैं। जावेद ने लगान, स्वदेस और दिल सेज जैसी परियोजनाओं में रहमान के साथ काम किया है। जावेद ने हाल ही में ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान के दो बयानों को याद किया जो उन्हें काफी प्रभावित कर गया था। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। जावेद ने हाल ही में को एक इंटरव्यू में कहा रहमान एक बहुत ही असामान्य आदमी है। वह एक सामान्य व्यक्ति नहीं है। एक बार हम संगीत कक्ष में दाखिल हुए। यह तब की बात है जब हमने साथ काम करना शुरू किया। कमरे में एक मोमबत्ती हुआ करती थी। कमरे में आने करने के बाद, वह मोमबत्ती जलाते थे। मुझे आश्चर्य होता था कि जब कमरा जल रहा है तो मोमबत्ती की क्या जरूरत है? हालांकि, मैंने उनसे कभी कुछ नहीं पूछा। जावेद ने आगे कहा, एक दिन, मुझे लगता है कि उन्होंने मेरी जिज्ञासा को देखा और मुझे मोमबत्ती जलाने की अपनी आदत के पीछे का कारण बताया। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ यांत्रिक है। सब कुछ एक मशीन है। कुछ ऐसा होना चाहिए जो मशीन न हो। कुछ वास्तविक। यह मोमबत्ती कोई मशीन नहीं है। इसकी रोशनी कोई मशीन नहीं है। यह कोई बल्ब नहीं है। यह हमें एहसास कराती है कि जीवन में और भी चीजें हैं जो मशीनों से परे हैं। एक और घटना को याद करते हुए गीतकार ने साझा किया, हालांकि वह मुझसे उम्र में छोटे हैं, लेकिन उन्होंने मुझसे कुछ बहुत ही समझदारी वाली बात कही, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। हम एक निर्माता के लिए काम कर रहे थे, जिसने एक गीत के लिए बेकार के सुझाव दिए। उसके जाने के बाद, मुझे चिढ़ हुई और मैंने टिप्पणी की, %वह ऐसी बकवास कैसे कर सकता है? वह भी इतने आत्मविश्वास के साथ? रहमान ने जवाब दिया, %कोई चिंता नहीं। जावेद अख्तर ने बताया कि एआर रहमान ने आगे उनसे कहा, हमें उनकी बात सुननी चाहिए। हमें अपने काम के साथ समझौता नहीं करना चाहिए, लेकिन साथ ही जब हम अलग-अलग राय सुनते हैं और अपना स्तर खोए बिना उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश करते हैं, तो हम अलग तरह का काम करेंगे। अगर हम सिर्फ वही करें जो हमें पसंद है, तो काम में समानता होगी।

टीम इंडिया की विजय परेड देख भावुक हुए शाहरुख

बोले- लड़कों की खुशी देख गर्व होता है

टी20 विश्व कप भारत ने अपने नाम किया है। रोहित शर्मा की कप्तानी टीम इंडिया ने फाइनल मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीता। वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया मुंबई पहुंची तो जोरदार स्वागत हुआ। शहर में टीम इंडिया की विजय परेड का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत नरीमन पॉइंट से हुई और वानखेड़े स्टेडियम पर जाकर खत्म हुई। इस दौरान लगा कि पूरा शहर खिलाड़ियों के स्वागत को उमड़ आया है। लाखों की संख्या में लोग मौजूद थे। फिल्मी सितारों ने भी टीम इंडिया पर प्यार लुटाया है। अभिनेता शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर खिलाड़ियों की तारीफ की है।

बोले- सारी रात नाचते रहो बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान भी विक्ट्री परेड की भीड़ को देखकर हैरान रह गए। शाहरुख ने एक्स पर लिखा, लड़कों को इतना खुश और भावुक देखकर मेरा दिल गर्व से भर जाता है। भारतीयों के लिए यह एक अद्भुत क्षण है। हमारे लड़कों को हमें इतनी ऊंचाइयों पर ले जाते देखना! मेरी टीम इंडिया के सभी लोगों को प्यार और अब पूरी रात नाचते रहो। ये नीली जर्सी वाले लड़के सभी की उदासियां दूर कर देते हैं।

विक्की कौशल और आयुष्मान ने भी जताई खुशी शाहरुख खान के अलावा आयुष्मान खुराना और विक्की कौशल ने भी टीम इंडिया पर प्यार लुटाया है। आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा कर लिखा, वेलकम होम बॉयज। इसी तरह अभिनेता विक्की कौशल ने भी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट साझा कर भारतीय खिलाड़ियों का स्वागत किया है। आयुष्मान खुराना ने तो विश्व कप जीतने के बाद टीम इंडिया को शायराना अंदाज में टीम को कविता पढ़कर भी बधाई दी थी। आयुष्मान की वर्ल्ड कप कविता को लाखों का प्यार मिल चुका है।

एक दशक बाद चैंपियन बनी टीम भारतीय टीम ने 13 साल बाद वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। 2011 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ही टीम वनडे वर्ल्ड कप की विजेता बनी थी। तब भी मुंबई में पूरी रात जश्न मना था। आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटी तक रोड पर आ गए थे। इसमें शाहरुख खान भी शामिल थे। उससे पहले 2007 में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान के खिलाफ हुए उस फाइनल मैच को देखने के लिए शाहरुख खान जोहानिसबर्ग के न्यू वांडरर्स स्टेडियम भी पहुंचे थे।

नॉर्वे में भीड़ द्वारा हमला किए जाने से परेशान हुए आईशोस्पीड, बोले- मैं फिर कभी यहां नहीं आऊंगा

फेमस यूट्यूबर आईशोस्पीड को हाल ही में नॉर्वे में लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान एक कष्टदायक अनुभव का सामना करना पड़ा। आईशोस्पीड का नाम डैरेन वॉटकिंस जूनियर है। आईशोस्पीड ने अपने प्रशंसकों के लिए स्कैंडिनेवियाई देश का एक आभासी दौरा किया। मगर ये रोमांचक दौरा जल्द ही उनके लिए एक कष्टदायक परीक्षा में बदल गया। क्योंकि सैकड़ों अति उत्साहित लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

प्रशंसकों की भीड़ में फंसे आईशोस्पीड *आईशोस्पीड पर अपने होटल से बाहर निकलने का प्रयास करते समय स्ट्रीमर पर हमला किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूट्यूबर लाइव-स्ट्रीमिंग कर रहे थे। तभी प्रशंसकों ने उसका पीछा किया और तस्वीरें करवाने को कहा। कुछ ही समय में भारी संख्या में फैंस वहां पर पहुंच गए। उन्होंने इस दौरान कहा, यह क्या है, नहीं, नहीं मैंने सचमुच 10 सेकंड के लिए नॉर्वे में कदम नहीं रखा। मुझे नॉर्वे का आनंद लेने दो। इसके बाद वह एक स्टोर में गए, जहां प्रवेश द्वार फैंस को रोकने के लिए गार्ड खड़े हुए। फैंस की बढ़ती भीड़ देखते हुए आईशोस्पीड वहां से बाहर भी नहीं आ पा रहे थे।*

कभी नॉर्वे नहीं जाएंगे *ऐसे में आईशोस्पीड ने करीब एक घंटा स्टोर में ही बिताया। इसके बाद सुरक्षा गार्डों ने बड़ी मुश्किल से भीड़ के बीच से उन्हें स्टोर के बाहर खड़ी कार में बैठाया। यूट्यूबर ने अपने दर्शकों से स्ट्रीम में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी यहां फिर से आऊंगा। मैं ट्रोल भी नहीं कर रहा हूं। मैं अपने सभी नॉर्वे प्रशंसकों से प्यार करता हूं। आप आम तौर पर सुनते ही नहीं हैं। मैं हर देश में गया हूं और वहां भी भीड़ थी, लेकिन यह बिल्कुल अमानवीय था।*

नॉर्वे पुलिस ने नहीं की मदद *आईशोस्पीड ने अपने एक्स अकाउंट पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, मैं नॉर्वे में फिर कभी नहीं आऊंगा। यूट्यूबर ने यह भी बताया कि उन्होंने मदद के लिए नॉर्वे पुलिस को फोन किया। मगर उन्होंने कहा कि जब तक वह अपनी स्ट्रीम समाप्त नहीं करेंगे, उन्हें कोई मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, पुलिस ने कहा कि जब तक मैं अपनी स्ट्रीम समाप्त नहीं कर लेता, वे मेरी मदद नहीं करेंगे। बता दें कि आईशोस्पीड के यूट्यूब पर 25 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर हैं।*

नाग अश्विन ने किया खुलासा, कल्कि 2898 एडी में इसलिए नहीं दिखाया भगवान कृष्ण का चेहरा

इन दिनों सिनेमाघरों में कल्कि 2898 एडी फिल्म का ही नाम गूंज रहा है। 27 जून, 2024 को रिलीज होने के बाद से ही फिल्म ने टिकट खिड़की पर जलवा बिखेरना शुरू कर दिया था। इस फिल्म में कई पौराणिक किरदार देखने को मिले हैं, जिन्हें दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। ऐसा ही एक किरदार है भगवान कृष्ण, जिसे लेकर फिल्म के निर्देशक ने कुछ बातें साझा की है। कल्कि 2898 एडी में तमिल अभिनेता कृष्णकुमार बालासुब्रमण्यम ने भगवान कृष्ण का रोल किया है। दिलचस्प बात यह है कि उनका चेहरा नहीं दिखाया गया है। इसे लेकर कई दर्शकों के मन में सवाल भी उठ रहे हैं। अब खुद निर्देशक ने उनके सवालों का जवाब दे दिया है। निर्देशक नाग अश्विन ने कृष्ण का चेहरा नहीं दिखाने की वजह बताते हुए कहा कि कृष्ण के किरदार को लेकर यह विचार था कि उन्हें बिना किसी पहचान के परदे पर पेश किया जाए और उन्हें निराकार ही रखा जाए। अगर चेहरा दिखा दिया जाता तो वो केवल एक व्यक्ति या एक अभिनेता बनकर रह जाता। नाग अश्विन ने कहा कि विचार यही था कि कृष्ण को गहरे रंग में दिखाया जाए और एक रहस्यमयी व्यक्ति के रूप में पेश किया जाए। अभिनेता कृष्णकुमार का चेहरा नहीं दिखने के बावजूद दर्शक उनके काम की खूब सराहना कर रहे हैं। उनके किरदार के लिए अर्जुन दास ने अपनी आवाज दी है। कल्कि 2898 एडी में प्रभास, अमिताभ बचन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और कमल हासन ने अभिनय किया है।

कल्कि 2898 एडी के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 400 करोड़ रुपये से यादा का कारोबार कर चुकी है। वहीं, वैश्विक स्तर पर इसने 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। फिल्म की कमाई को देखकर अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि यह जल्द ही 1,000 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने वाली है।

कल्कि 2898 एडी 2 में नजर आएंगे विजय देवरकोंडा-दुलकर सलमान? नाग अश्विन ने उठाया राज से पर्दा

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी प्रभास की पौराणिक साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी का दर्शकों के बीच जबर्दस्त क्रेज छाया हुआ है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई कर रही है। प्रभास की दमदार स्क्रीन उपस्थिति और अमिताभ बचन और दीपिका पादुकोण के दमदार अभिनय ने इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर बना दिया। फिल्म में विजय देवरकोंडा और दुलकर सलमान ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। इस फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता के साथ ही फिल्म के दूसरे भाग को लेकर दर्शकों में अभी से उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं अब फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन ने फिल्म के अगले भाग के लिए कलाकारों की उपस्थिति के बारे में बात की। कल्कि 2898 एडी 2 में प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बचन की मुख्य भूमिकाएं तो होंगी ही, लेकिन क्या विजय देवरकोंडा और दुलकर सलमान भी अगले भाग में नजर आएंगे? इस पर नाग अश्विन ने खुलकर बात की है। हाल ही में दिए साक्षात्कार में नाग अश्विन ने कल्कि 2898 एडी 2 के बारे में बात की। नाग अश्विन से पूछा कि क्या कल्कि 2 में विजय देवरकोंडा और दुलकर सलमान नजर आएंगे। नाग अश्विन ने कहा, मेरा मतलब है कि वे अपनी भूमिका तक ही सीमित हैं। जाहिर है, इसे किसी और रूप में विस्तारित करना संभव है, खासकर दुलकर सलमान के लिए। नाग अश्विन ने कहा, लेकिन अभी तक, यह ऐसा ही है। मैंने कुछ फैन थ्योरीज पढ़ी हैं, जो इधर-उधर घूम रही हैं। वे बहुत बढ़िया हैं। अगर वे विचार समझ में आते हैं, तो निश्चित रूप से हां। अगर कोई बेहतर विचार या विचार का बीज है, तो मैं उन्हें शामिल करूंगा। हंसते हुए उन्होंने कहा कि सभी लेखक लालची होते हैं। फिल्म नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित है। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म भारत की सबसे महंगी फिल्म है। फिल्म के डायलॉग साई माधव बुर्रा ने लिखे हैं। संगीतकार संतोष नारायणन, छायाकार जोर्डजे स्टोजिलजकोविक और संपादक कोटागिरी वेंकटेश्वर राव तकनीकी टीम का हिस्सा हैं। वहीं, फिल्म के कलाकारों की बात करें तो नाग अश्विन द्वारा निर्देशित साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी प्रभास के साथ में कमल हासन, अमिताभ बचन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कैफी आजमी पर सुमंत्र घोषाल ने बनाई डॉक्यूमेंट्री, 16 जुलाई को होगी कैफीनामा की स्क्रीनिंग

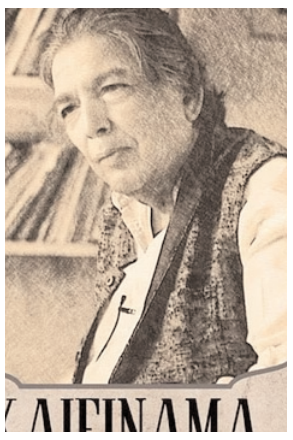

मशहूर शायर, गीतकार और लेखक कैफी आजमी के जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई गई है। इसका नाम कैफीनामा रखा गया है। सुमंत्र घोषाल ने इसका निर्देशन किया है। कैफी की बेटी और अभिनेत्री शबाना आजमी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्टर को साझा किया। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे पिता कैफी आजमी के जीवन और कार्यों पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म, जिसका निर्देशन सुमंत्र घोषाल ने किया है।

16 जुलाई को मुंबई में होगी कैफीनामा की स्क्रीनिंग

कैफीनामा में कैफी आजमी के जीवन से जुड़ी कई सारी घटनाओं के बारे में जानने को मिलेगा। डॉक्यूमेंट्री को सेंट पॉल्स मीडिया कॉम्प्लेक्स, 24 रोड़, बांद्रा पश्चिम में 16 जुलाई, 2024 को शाम छह बजे दिखाया जाएगा। इसकी अवधि 90 मिनट है और स्क्रीनिंग के बाद निर्देशक सुमंत्र घोषाल और शबाना आजमी के साथ सवाल-जवाब का भी सत्र होगा। कैफीनामा का निर्माण मिजवान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किया गया है।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अग्रणी गीतकारों में से थे कैफी आजमी

कैफी आजमी का जन्म 14 जनवरी, 1919 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के मिजवां गांव में हुआ था। उनका असली नाम अख्तर हुसैन रिजवी था। कैफी को बचपन में ही कविताएं पढ़ने का शौक लग गया था और धीरे-धीरे वो खुद भी लिखने लगे थे। कैफी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अग्रणी गीतकारों में से एक थे। आज भी उनके लिखे गीतों को सुना जाता है। 10 मई, 2002 को 83 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वक्त ने किया क्या हसीं सितम, ये दुनिया ये महफिल, मिलो न तुम तो हम घबराए और इक जुर्म करके हमने चाहा था मुस्कुराना उनके कुछ प्रमुख गीत है।

अनंत-राधिका की गरबा नाइट में झूमे जान्हवी के बॉयफ्रेंड शिखर, चोगाड़ा तारा पर किया डांस

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और उनकी होने वाली दुल्हन राधिका मर्चेंट जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी की तैयारियां पिछले महीने ही शुरू हो गई थीं और अब अंबानी परिवार शादी से पहले की तैयारियों में व्यस्त हैं। मामेरू समारोह आयोजित करने के बाद, अनंत और राधिका ने 4 जुलाई (गुरुवार) को अपनी गरबा नाइट मनाई, जिसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। अनंत-राधिका के फंक्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जान्हवी कपूर के कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया और उनके भाई वीर पहाड़िया भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। शिखर पहारिया और वीर पहारिया की अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की गरबा नाइट का लुत्फ उठाते हुए कुछ वीडियोज इंस्टाग्राम पर सामने आए हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई एक तस्वीर में शिखर को समारोह के दौरान अपने भाई वीर और दूल्हा-दुल्हन के दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। शिखर नीले रंग के कुर्ते में बहुत अच्छे लग रहे हैं और उन्होंने इसे जींस के साथ पहना हुआ है। उन्होंने कुर्ते के ऊपर एथनिक प्रिंटेड जैकेट भी पहनी हुई है। वहीं, वीर सबसे दाएं कोने में खड़े हैं। वीर ने पेस्टल ऑरेंज रंग का कुर्ता और सफेद ट्राउजर पहना हुआ है। इस तस्वीर में पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर भी हैं। वह लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही हैं और इस समूह के साथ पोज दे रही हैं। इसी पोस्ट पर शेयर किए गए एक वीडियो में वीर को डांस फ्लोर पर 2018 की फिल्म लवयात्री का गाना चोगाड़ा तारा गाते हुए देखा जा सकता है। मेहमानों की मौजूदगी में वीर ने माइक पकड़ रखा है और गाना गा रहे हैं।

लव जिहाद के मामले को लेकर बजरंग दल के कार्यकताओं ने देवबंद में किया प्रदर्शन

डॉक्टर की डिग्रियों की जांच कर उसके क्लिनिक को भी सील करने की मांग की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । देवबंद (सहारनपुर)। बीते दो दिन पूर्व देवबंद में लव जिहाद, सामूहिक दुष्कर्म, धर्मांतरण को लेकर हुई एफआईआर में पुलिस द्वारा अभी तक आरोपी डाक्टर अहबार हुसैन व उसके साथियों को गिरफ्तार न किए जाने से नाराज बजरंग दल कार्यकर्ता गेस्ट हाउस पर एकत्रित होकर सडकों पर प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचें।जहां उन्होंने बजरंग दल के विभाग संयोजक मोकित पुंडीर के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी देवबंद अंकुर वर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित करके मांग की कि आरोपी डॉक्टर अहबार हुसैन एवं उसके साथियों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए अन्यथा बजरंग दल बड़ा प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन में कहा गया कि महिला के द्वारा एफआईआर दर्ज करने के बाद भी पुलिस ने अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल नहीं भेजा है। ज्ञापन में बजरंग दल कार्यकताओं ने मांग की है कि डॉक्टर की डिग्रियों की जांच हो तथा उसके क्लिनिक को भी सील किया जाए। इस दौरान सम्राट राणा, आशु, राजन, आकाश, मोहित, प्रिंस, प्रणव, अमर, कमल, दीपक, गगन, जितेंद्र, अर्जुन, प्रियांशु आदि मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश में बजट को लेकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया का बड़ा बयान

मध्य प्रदेश का बजट एक जनहित का बजट है, यह बजट एक विकासशील बजट है

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ।
प्रदेश में बजट पेश होने को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बड़ा बयान दिया है उन्होंने कहा है कि मध्य प्रदेश का बजट एक जनहित का बजट है, साथ ही उन्होंने इस बजट क विकासशील बजट है, प्रगतिशील बजट है, हमारे सभी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, चाहे शहरी क्षेत्र हों ग्रामीण क्षेत्र हो शिक्षा हो स्वास्थ्य हो, हरेक विभाग के बजट में बढ़ोत्तरी की गई है। साथ ही ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विश्वास व्यक्त किया है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के नेतृत्व में प्रदेश का चौगुना विकास हम लोगो का संकल्प है। मैं उनको बधाई देना चाहता हूं, बहुत अच्छा बजट उन्होंने पेश किया है। प्रदेश की जनता का विकास सुनिश्चित होगा। 4 लाख नौकरियां देने के वादे पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया बोले औद्योगिकीकरण के आधार पर और नए निवेश के आधार पर नौकरियां भी उपलब्ध हो जाएंगी, और पूरे मध्य प्रदेश में एक नई क्रांति कृषि एवं औधोगिक क्षेत्र में भी जरूर आएगी।

सहारनपुर में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू, अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा मार्ग का मुआयना किया और जरूरी निर्देश दिए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। सावन के महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले में डीएम और एसएसपी पदों पर नए अधिकारियों की हाल ही में नियुक्ति हुई है। जिलाधिकारी मनीष बंसल और एसएसपी रोहित सिंह सजवान ने हरियाणा सीमा से लेकर उत्तराखंड सीमा तक कांवड़ यात्रा मार्ग का मुआयना किया और मार्ग पर तमाम सुविधाओं को मुहैया कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। यात्रा मार्ग के जिन स्थानों पर कांवड़ सेवा शिविर लगते हैं वहां का भी जायजा लिया गया।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बिजली विभाग को निर्देश दिए कि बिजली के जर्जर तारों को तत्काल बदला जाए। कांवड़ मार्ग को गड्ढ़ा मुक्त किया जाए, डिवाइडर पर रिफलेक्टर लगाए जाएं। मुआयने के बाद दोनों अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि शीर्ष संचालकों के साथ पुलिस-प्रशासन के लोग समन्वय बनाकर चलें और जनपद के शिवालयों की साफ-सफाई, पथ प्रकाश पर विशेष ध्यान दें। कांवड़ मार्ग में पड़ने वाले ट्रांसफार्मरों की बैरीकेटिंग की जाए। एसएसपी रोहित सजवान ने कहा कि कांवड़ संघ के लोगों को कार्यक्रम करने के लिए अनुमति लेनी होगी। बैठक में सीडीओ सुमित राजेश महाजन, डीएफओ शुभम सिंह, एडीएम प्रशासन डा. अर्चना द्विवेदी एवं एडीएम रजनीश मिश्र आदि मौजूद रहे।

आज शाम 5 बजे से स्थानीय मानस भवन में पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी देंगे प्रस्तुति

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफदमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के नागरिकों से कहा है पूरे भारत में तीन न्याय संहिता नई लागू हो चुकी है, जो एक बड़ा ऐतिहासिक परिवर्तन है, इन तीनों नए कानून के लागू होने के कारण पुराने कानून में और नए कानून में क्या-क्या अंतर है और अब इसके क्या-क्या प्रभाव होंगे, इसको जानना बहुत जरूरी है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश की भी गरिमामय उपस्थित रहेगी। इसी सिलसिले में दमोह में 05 जुलाई को शाम 05 बजे स्थानीय मानस भवन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें आम जनता को यह जानकारी दी जाएगी। यह तीनों नए कानून आए हैं, इसमें पिछले कानून के मुकाबले क्या-क्या परिवर्तन हुए हैं और अब उनका प्रभाव कैसा होगा और सभी को इन पर किस तरह से काम करना है, इस विषय पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी अपना प्रस्तुतीकरण देंगे। कलेक्टर ने आम नागरिकों, गणमान्य नागरिकों, सभी सामाजिक संगठनों, अधिवक्ता गणों से आग्रह करते हुए कहा आज शाम 05 बजे मानस भवन में अवश्य पधारें और इस कार्यक्रम के माध्यम से तीनों नई न्याय संहिताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

डीएम ने मोहर्रम की तैयारियों के संबंध में आयोजकों एवं अधिकारियों के साथ की बैठक

अधिकारी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही करें पूर्ण :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आगामी मोहर्रम के पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न समुदायों के संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने कहा की साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाये रखते हुये पर्व को रीति-रिवाज के साथ मनायें। यह क्षेत्र हमेशा से आपसी भाईचारा व गंगा- जमुनी तहजीब की मिसाल रहा है। सभी धर्म शांति का संदेश देते हैं। अगर कहीं पर कोई समस्या या विवाद है तो जिला प्रशासन को अवगत कराएं। समय रहते ही समस्या का उचित निस्तारण किया जाएगा। अलम और ताजिया परंपरागत मार्गों पर से ही निकाले जाएं। अलम की ऊंचाई मानक के अनुरूप रहे। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को साफ-सफाई व्यवस्था एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। जुलूस के दौरान किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो, विद्युत विभाग तारों को अलम की ऊँचाई के हिसाब से दुरूस्त कर लें। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को जुलूस मार्ग पर एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कहीं पर भी गड्ढे और जलभराव की स्थिति न हो। संबंधित सभी अधिकारी समिति के सदस्यों से निरंतर सम्पर्क में रहें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने कहा कि संबंधित क्षेत्रों के उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी जुलूस मार्गों का भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ ही समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से कोई नई परंपरा ना डालें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, एसपी देहात सागर जैन, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, सरफराज खान, जामा मस्जिद प्रबंधक मौलवी फरीद, ब्रित चावला, आमिर खान, बडे इमाम बारगाह के प्रबन्धक डॉ0 सैयद अतहर अब्बास जैदी, चौ0 मुजफ्फर अली सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

राहुल गांधी द्वारा दिए गए हिंदू विरोधी बयान से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के बयान की निंदा करते हुए उन्हें सदन से बर्खास्त करने की मांग रखी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
देवबंद (सहारनपुर)। सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए गए हिंदू विरोधी बयान से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और राहुल गांधी के बयान की निंदा करते हुए उन्हें सदन से बर्खास्त करने की मांग रखी। भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता डाकबंगले के बाहर एकत्र हुए और प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा लोकतंत्र के मंदिर में जिस प्रकार असंसदीय भाषा का प्रयोग कर बहुसंख्यक समाज के विरुद्ध टिप्पणी की गई उससे सर्वसमाज आहत है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा पहले भी हिंदू समाज को अपमानित करने का कुत्सित प्रयास किया जाता रहा है। हिंदू समाज को अपमानित करने वाले इस बयान के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। भाजपाइयों ने सदन के स्पीकर ओम बिरला से राहुल गांधी को सदन से बर्खास्त करने की मांग रखी है। इस मौके पर राजेश अनेजा, राम मोहन सैनी, जोगेंद्र जाटव, शुभलेश शर्मा, प्रदीप चौपडा समेत काफी संख्या में नगर मंडल व महिला मोर्चा से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माझी समाज की जिला स्तरीय बैठक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 08 जुलाई को

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, माझी समाज जिला दमोह की जिला स्तरीय बैठक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 का आयोजन दिनांक 08 जुलाई 2024 दिन सोमवार को सुबह 11 बजे स्थानीय पवित्र रिश्ता गार्डन में आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में जबेरा, पटेरा,बटियागढ़,हटा, पथरिया, तेंदूखेड़ा, नरसिंहगढ़, हिंडोरिया, नोहटा, अभाना, पथरिया के समाज के सक्रिय पदाधिकारी और कार्यकर्ताऔ की बैठक आयोजित की गई है। माझी समाज के समस्त स्वजातीय बंधुओं से अपील है कि जिला स्तरीय माझी समाज की बैठक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हैं होने की अपील की गई है।

सी. एम. हेल्पलाईन शिकायत निवारण शिविरों का तहसील स्तर पर होगा आयोजन

शिकायतकर्त्ता शिविर में शामिल होकर अपनी शिकायत का निराकरण करायें

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, सी. एम. हेल्पलाईन 181 पर जिले के राजस्व विभाग की लंबित शिकायतों के निराकरण हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने तहसील स्तर पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये है। शिविर 04, 05, 09, 10, 18, 19, 23, 24, 30 जुलाई एवं 31 जुलाई को आयोजित किये जायेंगे। तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों के लिए संबंधित तहसील के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने कहा जिले के प्रत्येक तहसील कार्यालय में राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाईन जून-2024 तक की लंबित शिकायतों के निराकरण हेतु इन शिविरों में राजस्व और सामान्य प्रशासन विभाग की जून माह तक की समस्त लंबित शिकायतों से संबंधित शिकायतकर्ताओं को बुलाया जाए, इस हेतु शिविर आयोजन के 01 दिवस पूर्व सभी तहसील कार्यालय से सभी शिकायतकर्ताओं को सूचित किया जाए। शिविरों में तहसील कार्यालय के समस्त स्टाफ, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी की उपस्थिति अनिवार्य रूप सुनिश्चित की जाये। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि निर्धारित शिविर में अधिक से अधिक सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण कराये जायें। जिले के ऐसे शिकायतकर्ता जिनकी राजस्व विभाग एवं तहसील कार्यालयों से संबंधित शिकायतें लंबित हैं, वह संबंधित तहसील कार्यालय में निर्धारित तिथि में शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायत का निराकरण करा सकते हैं।

श्रृंखलाबद्ध तरीके से वन मण्डल दमोह के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिले में जिले में एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में डी.एफ.ओ. एम.एस. उइके के सफल मार्गदर्शन में एक पेड़ माँ के नाम पौधरोपण श्रृखला के अंतर्गत विभन्न वनपरिक्षेत्रों में पौधरोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।
वन परिक्षेत्र दमोह वन मण्डल अधिकारी उइके ने वन परिक्षेत्र दमोह अंतर्गत बीट हथनी में आर.एफ.109 में अपनी माँ के नाम पौधा रोपण किया, इसी श्रृखला में वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रम चौधरी द्वारा भी पौधरोपण किया गया।**वन परिक्षेत्र तेन्दूखेडा** उप वन मण्डल अधिकारी तेन्दूखेड़ा प्रतीक दुबे एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी तेन्दूखेड़ा के मार्गदर्शन में खकरिया बीट आर.एफ. 172 में वन कर्मचारियों एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति में पौधा रोपण किया गया। इसी श्रृखला में वन परिक्षेत्र तेन्दूखेड़ा अंतर्गत अन्य वनक्षेत्रो में भी वृक्ष लगाकर पौधरोपण किया गया।
वन परिक्षेत्र तारादेही उप वन मण्डल अधिकारी तेन्दूखेड़ा प्रतीक दुबे के निर्देशन में वन परिक्षेत्र अधिकारी तारादेही देवेन्द्र गुर्जर के द्वारा जामुन बीट आर.एफ. 223 में वन कर्मचारियों एवं ग्रमीणों की उपस्थिति में पौधरोपण कार्य सम्पन्न किया गया।
वीरांगना दुर्गावति टाईगर रिर्जव सिंगौरगढ़ अंतर्गत बीट दानीताल में हुआ वृक्षरोपण कार्य सिंगौरगढ अंतर्गत बीट दानीताल में कार्यवाहक वनक्षेत्राल श्री कुरैशी एवं वनपाल लईक शहजाद तथा अन्य वन कर्मियों के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत पौधरोपण कार्य किया गया है। इसी श्रृखला में वन परिक्षेत्र सिंग्रामपुर, हटा, सगौनी, तेजगढ़ एवं झलौन में अलग-अलग वनक्षत्रों में पौधरोपण किया गया है।

कलेक्टर से प्रेरित महासभा की महिलाओं ने किया मतदान के लिए जागरूक

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ

दमोह, अग्रवाल महिला महासभा के द्वारा लगातार समाज को संगठित करने मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है किसी क्रम में लोकसभा चुनाव को देखते हुए जहां जिला निर्वाचन अधिकारी दमोह कलेक्टर के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है उनसे प्रेरित होकर केवल महिला महासभा के द्वारा भी स्थानीय विजयनगर में निजी कार्यक्रम में हजारों ही लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया लोगों से वोट डालने की अपील की गई जिसमें मुख्य रूप से अग्रवाल महिला महासभा प्रदेश महामंत्री रमा अग्रवाल सांभागीय उपाध्यक्ष रीतू जिला अध्यक्ष तारामणि जिला महामंत्री संगीता जिला उपाध्यक्ष सुषमा उपमंत्री अंजली मीडिया प्रभारी निशा मंजुला दीप्ति सुनीता रिद्धि ज्योति रश्मि कोमल नेहा रोशनी सीमा शिखा शाशि मंजू अर्चना रीता भूमि दिशा सुधा महिमा शैल शुभम गीता सारा बबीता मोनिका महिला मिलन मीडिया प्रभारी मणि सुमन रेखा सुरेखा वीणा आदि महिला ये उपस्थिति रही।

कलेक्टर से प्रेरित महासभा की महिलाओं ने किया मतदान के लिए जागरूक

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ

दमोह, अग्रवाल महिला महासभा के द्वारा लगातार समाज को संगठित करने मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है किसी क्रम में लोकसभा चुनाव को देखते हुए जहां जिला निर्वाचन अधिकारी दमोह कलेक्टर के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है उनसे प्रेरित होकर केवल महिला महासभा के द्वारा भी स्थानीय विजयनगर में निजी कार्यक्रम में हजारों द्धद्ध लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया लोगों से वोट डालने की अपील की गई जिसमें मुख्य रूप से अग्रवाल महिला महासभा प्रदेश महामंत्री रमा अग्रवाल सांभागीय उपाध्यक्ष रीतू जिला अध्यक्ष तारामणि जिला महामंत्री संगीता जिला उपाध्यक्ष सुषमा उपमंत्री अंजली मीडिया प्रभारी निशा मंजुला दीप्ति सुनीता रिद्धि ज्योति रश्मि कोमल नेहा रोशनी सीमा शिखा शाशि मंजू अर्चना रीता भूमि दिशा सुधा महिमा शैल शुभम गीता सारा बबीता मोनिका महिला मिलन मीडिया प्रभारी मणि सुमन रेखा सुरेखा वीणा आदि महिला ये उपस्थिति रही।

पिछोर में अपनी रिकार्ड जीत के प्रति जनता को आभार देने पहुँचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

कहा, मैं पिछोर की जनता का आभारी हूँ जहां के नौजवान, किसान और महिलाओं ने एक एक मत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर मुझे अपना पूरा समर्थन व वोट दिया

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ ।

शिवपुरी, शिवपुरी-गुना लोकसभा क्षेत्र में रिकॉर्ड जीत के बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने क्षेत्र में जनता के बीच जाकर आभार व्यक्त कर रहे है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शिवपुरी जिले के पिछोर विधानसभा क्षेत्र में पहुँचे जहाँ पिछोर की जनता ने उनका भव्य स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछोर में रोड़ शो के द्वारा गाड़ी में खड़े होकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद जनता को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने अभिभाषण में कहा कि मैं पिछोर की जनता का आभारी हूँ जहां के नौजवान, किसान और महिलाओं ने एक एक मत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर मुझे अपना पूरा समर्थन व वोट दिया । देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि जनता के द्वारा एक ही प्रधानमंत्री व पार्टी को तीसरी बार लगातार वोट देकर देश की बागडोर दी गई है। मध्यप्रदेश की पूरी 29 की 29 सीटें भाजपा के खाते में डालकर मध्य प्रदेश की जनता ने यह बात पुन: सिद्ध कर दी कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में एमपी, और एमपी के मन में मोदी भी है । वहीं केंद्रीय मंत्री ने अपने लोकसभा में प्राथमिकताओं को बताया और कहा कि मेरी चार प्राथमिकता है , पहला मेरे अशोक नगर, गुना और शिवपुरी में एक एक माफ़िया को मैं यहाँ से भगाऊँगा, चाहे भू माफिया हो या रेत माफिया हो दूसरी प्राथमिकता एक एक केंद्र सरकार व एक एक योजना मेरे क्षेत्र की जनता को मिले इसके लिए मैं कार्य करूँगा। तीसरी प्राथमिकता क्षेत्र में अधोसंरचना की सभी ज़रूरतें चाहे सड़क, पुल या बिजली का फ़ीडर सभी का निर्माण होगा। चौथी प्राथमिकता युवा शक्ति को प्रोत्साहन, मैं क्षेत्र की युवा ऊर्जा को अधिक बेहतर शिक्षा व रोज़गार के मौके प्रदान हो इसके लिए कार्य करूँगा।

यातायात पुलिस द्वारा स्कूल में छात्रों को हिट-एण्ड-रन मोटर दुर्घटना योजना एवं गुड सेमेरिटन योजना के बारे में जानकारी

स्कूल के छात्र एवं छात्राओं को यातायात संबंधी नियमो की जानकारी एवं नियमों का पालन करने की समझाईस दी गई

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ ।

शिवपुरी, शिवपुरी यातायात पुलिस द्वारा गुरूनानक इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों को भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही हिट-एण्ड-रन मोटर दुर्घटना (टक्कर मारकर भागने वाले अज्ञात वाहनो) द्वारा घायलों अथवा मृतको के पीडित परिवार को मुआवजा प्रदान करती है जिसमे अज्ञात वाहन द्वारा दुर्घटना में मृत्यु होने पर 2,00,000 (दो लाख रुपये) एवं गंभीर घायल होने पर 50,000 (पचास हजार रुपये) मुआवजा के रुप में दिया जाता है एवं गुड सेमेरिटन योजना के तहत कोई भी व्यक्ति दुर्घटना में घायल हुये व्यक्ति को अस्पताल तक पहुँचाता है तो जिला प्रशासन द्वारा 5000 (पाँच हजार रुपये) इनाम के तौर पर दिया जाता है। इसके अतिरिक्त यातायात पुलिस द्वारा गुरूनानक इंटरनेशनल स्कूल के छात्र एवं छात्राओं को यातायात संबंधी नियमो की जानकारी एवं यातायात नियमों का पालन करने की समझाईस दी गई। यातायात पुलिस शिवपुरी द्वारा आमजन को जागरूक करने संबधी कार्यक्रम निरंतर रूप से जारी रहेंगे।

शिवपुरी जिले के कोलारस में कोर्ट के बाहर शिक्षक ने पत्नी को पीटा

तलाक की तारीख में गवाही देने भाई और पिता के साथ पहुंची थी महिला

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ

शिवपुरी, शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में कोर्ट के बाहर शिक्षक पति ने पत्नी की पिटाई कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जानकारी के अनुसार कोलारस कस्बे की रहने वाली महिला का अपने पति से तलाक का केस चल रहा था आज जब महिला तलाक के केस की तारीख पर अपने पिता व भाई के साथ कोर्ट पहुंची जब महिला कोर्ट से बाहर निकल रही तो उसका अपने पति से बच्चों को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद शासकीय शिक्षक पति ने अपने दो भाई और पिता के साथ मिलकर सरेराह महिला के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित महिला के भाई की शिकायत पर कोलारस पुलिस ने महिला के पति उसके दो भाई और पिता के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

धर्मनगरी की पवित्रता को चुनौती दे रहे नशे के सौदागर

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ । सतना, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण का दर्जा देकर मध्यप्रदेश की मोहन सरकार धर्मनगरी चित्रकूट को श्रीराम चंद्र लोक बनाने की कर रही तैयारी, लेकिन धार्मिक आस्था को नशे के सौदागरों की लगी दीमक, मुख्यमंत्री मोहन यादव को उज्जैन महाकाल की तर्ज पर धर्मनगरी चित्रकूट में भी मांस मदिरा के प्रतिबंध का कड़ाई से कराना चाहिए पालन। धर्मनगरी में परोसी जा रही शराब मामले में चित्रकूट के तेज तर्रार विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार ले सकते हैं बड़ा एक्श चित्रकूट अमावस्या मेला को अपवित्र करने की बड़ी साजिश, शराब माफिया ने चित्रकूटधाम के प्रतिबंधित क्षेत्र में डंप कराई 2 लाख से अधिक की शराब-सूत्र। सूत्रों के मुताबिक रजौला में एक होटल के पीछे किराए के मकान सहित 2 अन्य घरों में शराब की पेटियां स्टॉक करने की खबर, धार्मिक नगरी के गोदावरी मोड, पालदेव, लालापुर, सेजवार, भैरम बाबा, कामतन, नयागांव, बस स्टैंड, प्रमोदवन, स्फटिक शिला मोड़ के पास, गोदावरी मोड़ से रजौला के बीच कुछ ढाबे, हनुमान धारा सहित लगभग 30 अघोषित दुकानों में पहुंच रही शराब, पर्दे के पीछे खुली दुकानों के जरिए शराब की सप्लाई, प्रभु श्री राम के धाम चित्रकूट की पवित्रता को चुनौती दे रहा शराब माफिया और दलाल। चित्रकूट में शराब परोसने का वीडियो वायरल होने और खबर प्रसारित होने तथा सब कुछ ज्ञात होने के बाद भी अनभिज्ञता दिखा रहे जिम्मेदार, शराब मामले में धर्म के ठेकेदारों के मुंह पर भी लगा ताला, सफेद कुर्ताधारियों के भी संलिप्त होने की लोग जता रहे आशंका

करैरा से चंदेरी जा रही चलती बस में उठा धुआं का गुबार 50 यात्रियों की बची जान

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।

शिवपुरी, शिवपुरी जिले की बामौरकलां थाना सीमा में आने वाले हर्सरा गांव के समीप पिछोर चंदेरी रोड पर अचानक से सवारियो से भरी बस मे अचानक धुंए का गुब्बार उठने लगा। धुंआ इतना अधिक था कि बस की सवारियो को सांस लेना भी मुश्किल हो गया था। बस ड्राइवर ने अचानक बस के ब्रेक लगा दिए।

बताया जा रहा है कि करैरा से चंदेरी जा रही बस में अचानक से धुएं का गुब्बार उठने लगा। धुआं पूरी बस में भर गया,सवारियो को सांस लेना भी मुश्किल हो गया और बस में भरी सवारियो ने सोचा की बस को आग ने चपेट ले लिया,और बस में चीख पुकार मचने लगी ड्राइवर ने बस में इस स्थिति को देखा तो ब्रेक लगा दिए। बस के रुकने पर सभी सवारियां घबराहट में नीचे उतरने लगी। इस भागदौड में कई सवारियों को मामूली सी चोट भी आई है। हालांकि सभी सवारियां सुरक्षित है और सवारियों को दूसरी बस में शिफ्ट किया गया। बस ड्राइवर का कहना था कि डीजल पंप के द्वारा अधिक डीजल छोड़ने के कारण बस के साइलेंसर से अपनी सीमा से अधिक धुंआ छोड़ रही थी इस कारण ही यह स्थिति बनी है।

लक्ष्मण को शौच का गंदा पानी रोकना पड़ा महंगा, सरपंच ने गांव समाज से किया बंद

कलेक्टर डॉ गिरीश मिश्रा ने कहा समाज से बंद करने वालों पर होगी एफआईआर दर्ज

शरद धनेश्वर। सिटी चीफ ।

बालाघाट, बालाघाट जिले कि लालबर्रा जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बम्हनी में निवासरत लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को निजी जमीन से शौचालय का गंदा पानी कि निकासी को लेकर विरोध करना बहुत भारी पड़ गया है सरपंच बासुंतराव ढबाले व उसके साथियों के द्वारा आवेदक व उसके परिवारवालों को विरोध करने पर गांव समाज से बंद कर दिया गया है। जिस वजह से लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को गांव में किसी भी तरह से सहयोग नहीं किया जा रहा है ना ही उसको किसी भी कार्यक्रम में बुलाया जा रहा है।जिसकी शिकायत आवेदक लक्ष्मण तुमसरे ने पुन: कलेक्टर जनसुनवाई में 2/7/2024 को कलेक्टर से कि और न्याय कि गुहार लगाते हुए सरपंच व उसके साथियों पर कार्यवाही कि मांग कि है। वहीं आवेदक कि शिकायत पर लेख है कि आवेदक स्वयं कि निजी जमीन पर वर्षों से निवासरत है तथा शौचालय का गंदा पानी कि निकासी को लेकर विरोध करते हुए आ रहा था जिस पर पुर्व में 13 जून को शिकायत पर राजस्व अमला व पुलिस प्रशासन मौका स्थल पर पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही भी किये थे तथा शौचालय का गंदा पानी निकासी को लेकर मना करें थे लेकिन सरपंच ने उसी दिन ही पंचायत में गांव वालों कि अलग से बैठक लेकर लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को गांव समाज से बंद करवा दिया तथा 22 जून को पुन: गांव वाले एकत्रित हुए जहां पर लालबर्रा तहसीलदार सजंय बारासकर, हल्का पटवारी, पीसीओ व पुलिस प्रशासन व गांव वाले मौजूद रहे उनकी मौजूदगी में ही सरपंच ने दबाव पुर्वक जबरदस्ती नाली बनवा दिया जिससे शौचालय का गंदा पानी मेरे घर के अंदर से जा रहा है। जिससे परिवार वाले परेशान हैं तथा जानवरों को भी खतरा है। न्याय पाने लगातार कर रहा शिकायत,अब तक नहीं मिला न्याय ज्ञात हो कि आवेदक लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा न्याय पाने के लिए शिकायत पे शिकायत किये जा रहा है लेकिन अभी तक उसको न्याय नहीं मिल पाया है वहीं शिकायतकर्ता के अनुसार 24/5/2024 को श्रीमान कलेक्टर महोदय बालाघाट व श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय को गई तथा 11/6/2024 को श्रीमान कलेक्टर महोदय को जनसुनवाई में शिकायत कि गई थी व सीएम हेल्पलाइन नंबर पर भी शिकायत दर्ज करवाई गई है जिसका शिकायत क्रमांक 2724 3317 है वहीं पुन: न्याय कि गुहार कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदक लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा किया गया है। अब देखना है कि क्या आवेदक को न्याय मिलता है या नहीं क्या अनावेदक पर कार्यवाही होती है या नहीं क्या आवेदक लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को गांव समाज में शामिल किया जाएगा क्या शौचालय का गंदा पानी कि निकासी बंद होगी क्या गांव समाज से बहिष्कृत करने वालों पर फिर एफआईआर दर्ज होगी।

इनका कहना है। मैंने निजी जमीन पर शौचालय का पानी निकासी को लेकर विरोध किया था जिस पर सरपंच व अन्य लोगों के द्वारा मुझे व मेरे परिवार वालों को गांव समाज से बंद कर दिया गया है मेरे घर पर पांच से छ: घरों का शौचालय का गंदा पानी आ रहा है।जिसकी शिकायत आज कलेक्टर से कि गई है और पहले भी कि जा चुकी है अभी तक मुझे न्याय नहीं मिला है हमें किसी भी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जा रहा है।

लक्ष्मण तुमसरे शिकायतकर्ता पहले भी तहसीलदार गये थे इनकी प्राइवेट जमीन पर पानी की निकासी हो रही थी अभी डिजाल नहीं हुआ है हमने टीएल मार्क करके एसडीएम को पहुंचाये है यदि गांव समाज से बंद किये होंगे तो एफआईआर दर्ज होगी।

कीर स्टार्मर अगले प्रधान मंत्री बनने के लिए तैयार...ऋषि सुनक ने किया इस्तीफे का ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क- ब्रिटेन के आम चुनावों में शुक्रवार को वोटों की गिनती शुरू होते ही कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली विपक्षी लेबर पार्टी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली, एग्जिट पोल में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के लिए ऐतिहासिक हार की भविष्यवाणी की गई थी। सर्वेक्षण से पता चला कि लेबर 650 सीटों वाली संसद में 410 सीटें जीतेगी। उथल-पुथल और आर्थिक मंदी के कारण 14 वर्षों तक सत्ता में रहने वाली कंजर्वेटिव (टोरीज़) को केवल 131 सीटें मिलने का अनुमान था, जो इसके इतिहास में सबसे खराब चुनावी प्रदर्शन था। 650 सांसदों वाले सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) में बहुमत की सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को 326 सीटों की आवश्यकता होती है। हार का संकेत मिलने के बाद प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। मतगणना के शुरुआती घंटों में लेबर ने 67 सीटें जीत लीं, जबकि टोरीज़ केवल आठ सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। लिबरल डेमोक्रेट्स ने तीन सीटें हासिल कीं, जबकि ब्रेक्सिट चैंपियन निगेल फराज के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके ने एक निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की। एग्जिट पोल से संकेत मिलता है कि कीर स्टार्मर अगले प्रधान मंत्री बनने के लिए तैयार हैं, उनकी लेबर पार्टी 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में 410 सीटें हासिल करने के लिए तैयार है, जिससे 170 सीटों का भारी बहुमत प्राप्त होगा। -कंजर्वेटिव पार्टी को केवल 131 सीटें मिलने का अनुमान है, जो 2019 के चुनाव में उनकी 365 सीटों से भारी गिरावट है। चांसलर जेरेमी हंट, रक्षा सचिव ग्रांट शाप्स और अनुभवी मंत्री जॉनी मर्सर सहित वरिष्ठ टोरी नेताओं को अपनी सीटें खोने की भविष्यवाणी की गई है। -पूर्व न्याय मंत्री रॉबर्ट बकलैंड, जो नतीजों में अपनी सीट खोने वाले पहले टोरी थे, ने प्रदर्शन कला की राजनीति और ऋषि सुनक के नेतृत्व में अनुशासन की कमी के लिए अपनी ही पार्टी को दोषी ठहराया। -एक अन्य वरिष्ठ टोरी नेता एंड्रिया लेडसम ने कहा कि पार्टी अब पर्याप्त रूप से रूढ़िवादी नहीं रही और जागृत मुद्दों के साथ इसके जुड़ाव की आलोचना की। -शैडो स्वास्थ्य सचिव वेस स्ट्रीटिंग और लंदन के मेयर सादिक खान सहित वरिष्ठ श्रमिक राजनेताओं ने पार्टी को सत्ता के शिखर तक ले जाने के लिए स्टार्मर की प्रशंसा की। -लेबर के छाया शिक्षा सचिव ब्रिजेट फिलिप्सन ने रात का पहला विजय भाषण दिया, जिसमें घोषणा की गई कि ब्रिटिश लोगों ने कीर स्टारर के नेतृत्व को चुना है।

मेट्रो में बुजुर्ग ने महिला के साथ की मारपीट, पुलिस ने लिया हिरासत में

नेशनल डेस्क- मेट्रो में सफर करते समय एक 65 वर्षीय बुजुर्ग ने महिला के साथ मारपीट की, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। घटना 24 जून की है, जब बुजुर्ग ने महिला से सीट देने को कहा और उसके इनकार करने पर भड़क गया।

सीट के लिए विवाद, फिर हिंसा

बुजुर्ग यात्री ने मेट्रो में सफर करते समय सीट पाने के लिए महिला से अनुरोध किया। महिला के मना करने पर बुजुर्ग ने बेंत का डंडा निकालकर महिला पर हमला कर दिया, जिससे वह चोटिल हो गई। बुजुर्ग ने महिला के पैरों के बीच बेंत घुसा दिया और अपने हाथों से उसे मुक्का मारा। इस दौरान माहौल बिगड़ गया और मेट्रो में बवाल मच गया।

पुलिस की कार्रवाई

वीडियो वायरल होने के बाद 25 जून को स्थानीय पुलिस ने बुजुर्ग को सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा डालने के आरोप में हिरासत में ले लिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि बुजुर्ग ने महिला के साथ बहस की, धक्का मुक्की की और फिर थप्पड़ भी मारा।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद, लोग बुजुर्ग के व्यवहार की निंदा कर रहे हैं और महिला के धैर्य की सराहना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि बुजुर्गों के लिए सीटें आरक्षित होती हैं, लेकिन मारपीट करना कानूनन अपराध है। बुजुर्गों को निवेदन करने का अधिकार है, लेकिन हिंसा का सहारा लेना अनुचित है। इस घटना ने एक बार फिर मेट्रो में यात्रियों के बीच बढ़ती असहिष्णुता और हिंसा की ओर ध्यान खींचा है, जो कि केवल चीन में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में चिंता का विषय बन चुका है।

गर्भ से निकला पांच माह का बच्चा समेटती मां के निकले आंसू

इंटरनेशनल डेस्क: हर शादीशुदा कपल की इच्छा होती है कि उसका बच्चा हो लेकिन कई बार ये सबकुछ इतना आसान नहीं होता । कोई महिला मां नहीं बन पाती है, तो कई बार गर्भपात की वजह से मुश्किलें बढ़ जाती हैं। इतना ही नहीं, कई बार तो बच्चे सही समय से पहले ही पैदा हो जाते हैं, ऐसे में उन्हें इनक्युबेटर में रखना पड़ता है। सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला 5 महीने के प्रिमैच्योर बेबी को तौलिया से लपेटती हुई नजर आ रही है। महिला की आंखों में आंसू दिख रहे हैं। बच्चे को देखने के बाद लोग भी अपने आंसु नहीं रोक पा रहे हैं। इंस्टाग्राम पर एमी अलेंताजन नाम की महिला यूजर ने इस वीडियो को शेयर किया है, जिसका कैप्शन है, '20 सप्ताह या 5 महीने में जन्मा प्रिमैच्योर बेबी।' वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक महिला अपने हाथों कुछ पकड़े हुए है। शुरुआत में तो समझना मुश्किल है, लेकिन थोड़ी ही देर में सबकुछ साफ हो जाता है। महिला अपने हथेली पर एक नन्हीं सी जान को रखे हुई है। फिर उसे नीचे रखने के बाद वो तौलिया बिछाती है और 5 महीने में जन्में इस बच्चे को उसमें समेटकर रखती हुई नजर आ रही है। वो जब बच्चे को उठाकर तौलिया पर रखती है, तब उसके हाथ हिलते दिख रहे हैं। फिर महिला उसे तौलिए में अच्छे से लपेट देती है। वीडियो में बच्चे का चेहरा तो नहीं दिखता है, लेकिन कैप्शन के मुताबिक इसका जन्म 9 महीने की जगह 5 महीने में ही हो गया । लेकिन इस बच्चे को इनक्युबेटर में नहीं रखा गया है। ऐसे में इस वीडियो के सत्यता की पुष्टि नहीं होती है, लेकिन यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसे अब तक 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा है, जबकि 2 लाख 21 हजार से ज्यादा लोगों ने

बच्चे के लिए दवा लेने गई महिला को 30 फुट के अजगर ने निगला

लोगों ने सांप का पेट काटकर बाहर निकाला शव

इंटरनेशनल डेस्क: अजगर एक ऐसा प्राणी है जो इंसान को पूरा का पूरा निगल सकता है और इसके कोई निशान भी नहीं छोड़ता। ऐसी ही एक घटना ने लोगों को चौंका कर रख दिया है। मध्य इंडोनेशिया में एक महिला को 30 फुट विशालकाय अजगर ने निगल लिया, जिसके बाद उसका शव उसके पेट में मिला। घटना सुलावेसी प्रांत के सितेबा गांव की है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मध्य इंडोनेशिया में एक महिला को अजगर ने निगल लिया था, जिसके बाद उसका शव उसके पेट में मिला। यह प्रांत में एक महीने में अजगर द्वारा की गई दूसरी हत्या है। पुलिस ने बताया कि 36 वर्षीय सिरियाती मंगलवार सुबह अपने बीमार बच्चे के लिए दवा खरीदने के लिए घर से निकली थी, जिसके बाद वह लापता हो गई थी। इसके बाद रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

उसके पति आदियासा (30) को दक्षिण सुलावेसी प्रांत के सितेबा गांव में उनके घर से करीब 500 मीटर दूर जमीन पर उसकी चप्पलें और पैंट मिलीं। स्थानीय पुलिस प्रमुख इदुल ने एएफपी को बताया, इसके कुछ समय बाद ही उन्हें रास्ते से करीब 10 मीटर दूर एक अजगर दिखाई दिया। अजगर अभी भी जीवित था।

गांव के सचिव इयांग ने एएफपी को बताया कि आदियासा को अजगर का बहुत बड़ा पेट दिखाई देने के बाद संदेह हुआ। उन्होंने गांव वालों को अजगर का पेट काटने में मदद करने के लिए बुलाया, जहां उन्हें उसका शव मिला। ऐसी घटनाओं को अत्यंत दुर्लभ माना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में कई लोगों को अजगर ने निगल लिया है।पिछले महीने दक्षिण सुलावेसी के दूसरे जिले में एक महिला जालीदार अजगर के पेट में मृत पाई गई थी।

मंत्री नितिन नवीन ने की पटना मेट्रो की कार्य प्रगति की समीक्षा, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

पटना: बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को पटना मेट्रो की कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस मौके पर विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर और दिल्ली मेट्रो के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मंत्री नितिन नवीन ने कार्य की प्रगति को तेज करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देश दिया।

60 प्रतिशत राशि को JICA से लोन द्वारा लिया जाएगा

मंत्री नितिन नवीन ने यह भी अंकित किया कि बिहार सरकार मेट्रो का संचालन शीघ्रातिशीघ्र करने के लिए दृढ़ संकल्प है और इस कार्य में आने वाली किसी प्रकार की बाधा को यथाशीघ्र दूर करेगी। नितिन नवीन के द्वारा मेट्रो कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। पदाधिकारी ने मंत्री को बताया कि पटना मेट्रो का कार्य 20 प्रतिशत केन्द्र एवं 20 प्रतिशत बिहार सरकार के द्वारा प्रदत्त राशि के द्वारा किया जा रहा है। शेष 60 प्रतिशत राशि को छुड्डष्ट से लोन द्वारा लिया जाएगा। पदाधिकारी के द्वारा यह भी बताया गया कि सम्पूर्ण कार्य चार चरण में किया जाना हैं, जिसमें वर्तमान में पीसी-01, पीसी- 02 पर कार्य विशेष रूप से किया जा रहा है।

तय सीमा के अंदर पूरा कर लिया जाए दो चरणों का कार्य

बैठक के उपरांत नितिन नवीन ने मोइनुलहक स्टेडियम में चल रहे टनल एवं स्टेशन के कार्यों का स्थल पर निरीक्षण किया। टनल के अंदर जाकर सुरक्षा मानको और टनल की सुरक्षा के नियमों के बारे मे जानकारी प्राप्त की और साथ में यह भी आदेश दिया कि किसी भी हाल में कार्य की गुणवत्ता एवं सुरक्षा संबंधी उपायों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाए। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया कि प्रथम दो चरणों का कार्य तय सीमा के अंदर पूरा कर लिया जाए।

बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार में लड़की ने दिखाई गुंडागर्दी

ऑटो चालक की बेसबॉल बैट से की पिटाई कर किया लहूलुहान

नेशनल डेस्क- बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में मंगलवार को एक चौंकाने वाली घटना हुई, जब एक लड़की ने ऑटो रिक्शा चालक शिव शंकर की बेसबॉल बैट से पिटाई कर दी। लड़की का आरोप है कि ऑटो चालक ने उसके भाई पर हमला किया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि लड़की शिव शंकर नाम के ऑटो चालक को बेसबॉल बैट और मेटल की चूड़ी से मार रही है। इस पिटाई के कारण ऑटो चालक शंकर के सिर में गंभीर चोट आई। राहगीरों ने बीच-बचाव कर शंकर को बचाया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज हुआ।

पुलिस की प्रतिक्रिया

पुलिस को इस घटना की जानकारी मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस अफसरों का कहना है कि लड़की का आरोप है कि ऑटो ड्राइवर शंकर ने उसके भाई, जो ई-रिक्शा चलाता है, के साथ मारपीट की। शंकर ने ई-रिक्शा को साइड नहीं दी थी और उसके बाद हमला कर दिया था।

शिकायत और कार्रवाई

ऑटो ड्राइवर शंकर की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी लड़की को पकड़ने के प्रयास में जुटी है। पुलिस इस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि सच्चाई का पता लगाया जा सके। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है। पुलिस की जांच जारी है और उम्मीद है कि जल्द ही मामले का पूरा सच सामने आएगा।

मजदूर के घर में जन्मे...ब्रिटेन की सियासत में बड़ा उलटफेर करने वाले कौन हैं कीर स्टार्मर?

यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को 2024 के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार स्वीकार कर ली है। जिसके चलते उन्होंने लेबर पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार कीर स्टारमर को बधाई दी है। रिजल्ट शुक्रवार शाम तक क्लियर हो जाएगा, लेकिन तस्वीर पहले ही काफी हद तक साफ हो गई है। बहुमत पार करने वाली लेबर पार्टी जीत की ओर अग्रसर है। तो आइए जानते हैं कि कौन हैं लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर, जिन्होंने ब्रिटेन की सियासत में बड़ा उलटफेर कर दिया है।

पेशे से वकील हैं स्टार्मर

ब्रिटेन में 2 सितंबर, 1962 को जन्मे स्टार्मर पेशे से वकील हैं। लेबर पार्टी के अनुसार, उनका पूरा पेशेवर जीवन जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के लिए रहा है। वह ब्रिटेन की संसद में साल 2020 से प्रतिपक्ष और लेबर पार्टी के नेता हैं। वह 2015 से 2024 के लिए होलबोर्न और सैंट पैनक्रास से सांसद भी चुने गए हैं। स्टार्मर 2008 से 2013 तक सरकारी अभियोजन के निदेशक भी रहे हैं।

मजदूर के घर में जन्मे स्टार्मर

स्टार्मर पूर्वी इंग्लैंड के सरी में ऑक्सटेड नामक एक छोटे शहर में पले-बढ़े हैं। उनके पिता एक कारखाने में कारीगर थे और मां अस्पताल में नर्स थीं। स्टार्मर की मां को एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी थी, जिसके चलते बचपन में उन्हें काफी परेशानियां उठानी पड़ीं। इन सबके बीच स्टार्मर ने 1985 में लीड्स विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसी के साथ स्टार्मर विश्वविद्यालय जाने वाले परिवार के पहले सदस्य बन गए।

मानवाधिकार से जुड़े मामलों की वकालत

वकील बनने के बाद स्टार्मर ने काफी समय तक गरीबों को मुफ्त कानूनी सलाह दी और कई बड़े मामलों की पैरवी की। उन्हें मानवाधिकारों से जुड़े मामलों में विशेषज्ञता हासिल है। स्टार्मर ने उत्तरी आयरलैंड पुलिसिंग बोर्ड के मानवाधिकार सलाहकार के रूप में भी काम किया है। 2002 में उन्हें क्वीन्स काउंसिल नियुक्त किया गया। कानून और आपराधिक न्याय के क्षेत्र में सेवाओं के लिए 2014 में स्टार्मर को नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द बाथ नियुक्त किया गया।

उन्होंने कैरेबियन और अफ्रीका में मौत की सजा का सामना करने वाले कैदियों के लिए भी वकालत की। मैकडॉनल्ड्स के पर्यावरणीय दावों की आलोचना करने वाले कार्यकर्ताओं को अपनी निशुल्क सेवा दी। इससे न्याय के चैंपियन के रूप में उन्हें देखा जाने लगा। स्टार्मर को आपराधिक न्याय में उनके योगदान के लिए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने नाइट की उपाधि दी। लेकिन शायद ही वह अपने नाम के आगे सर शब्द का इस्तेमाल करते हों।

कैसा रहा सियासी सफर?

स्टार्मर पहली बार 2015 में संसद के लिए चुने गए. इसके बाद वे एक साल तक ब्रिटेन की शैडो कैबिनेट में आव्रजन मंत्री थे. इसके अलावा स्टार्मर 2016 से 2020 तक यूरोपीय संघ (श्र) से बाहर निकलने के लिए शैडो राय सचिव भी थे. अप्रैल 2020 में स्टार्मर को लेबर पार्टी का अध्यक्ष चुना गया, लेकिन इसके ठीक बाद उनकी पार्टी को 85 सालों में सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

राजनीति में की देर से एंट्री

राजनीति में स्टार्मर की एंट्री अपेक्षाकृत देर से हुई। 52 वर्ष की आयु में वह राजनीति में आए। तब 2015 में वह होलबोर्न और सेंट पैनक्रास के सांसद बने। एक कुशल वकील होना उनके लिए राजनीति में बेहद काम आया। इसने उनकी प्रतिष्ठा मजबूत की और राजनीति में आगे बढ़ाया। जल्द ही उनके रैंक बढ़ने लगे। उन्होंने पूर्व लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन के अधीन ब्रेक्सिट सचिव के रूप में कार्य किया। स्टार्मर के प्रमुख नीतिगत वादे उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण को दिखाते हैं। उन्होंने नेशनल हेल्थ सर्विस की वेटिंग लिस्ट को कम करने के लिए साप्ताहिक नियुक्तियों को बढ़ाने का वादा किया है। इमीग्रेशन को लेकर उन्होंने सीमा सुरक्षा कमान की स्थापना करने की योजना बनाई है। यह कमान छोटी नावों के जरिए अवैध तरीके से लोगों को देश में आने से रोकेगी। आवास क्षेत्र में स्टार्मर का लक्ष्य पहली बार घर खरीदने वालों को बढ़ावा देना है। इसके लिए एक ऐसी योजना शुरू की जाएगी जो उन्हें नए आवास विकास में प्राथमिकता देगी। साथ ही 15 लाख नए घर बनाने के लिए कानूनों में सुधार का वादा किया है। शिक्षा उनकी एक और प्राथमिकता है। स्टार्मर ने 6,500 शिक्षकों की भर्ती करने और प्राइवेट स्कूलों के लिए टैक्स समाप्त करने का वादा किया है।

क्या है कीर की विदेश नीति?

विदेश नीति पर, रूस के साथ चल रहे संघर्ष में लेबर पार्टी यूक्रेन के लिए समर्थन जारी रख सकती है। हालांकि इजरायल-गाजा विवाद के दृष्टिकोण में कुछ बदलाव की उम्मीद है, क्योंकि लेबर इजरायल को हथियारों की बिक्री रोकने की योजना बना रही है और फिलिस्तीनी देश को मान्यता देने की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569